सोमवार, 30 दिसम्बर 2024

मौसम

तापमान 27 – 18
आर्द्रता 54%
सूर्योदय: 6:16 सूर्यास्त: 17:02

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, पौष कृष्णपक्ष अमावस्या, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : एक गलत समझौता, आपको अगले सौ गलत समझौतों के लिए मजबूत करेगा।

बुमराह की तूफानी गेंदबाजी के बाद ऑस्ट्रेलिया का निचला क्रम चमका -पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

दक्षिण कोरिया: विमान दुर्घटना में 179 लोगों की मौत

लैंडिंग गियर में खराबी के कारण हुआ हादसा

- जिंदा बचे सिर्फ 2 क्रू मेंबर

सियोल : दक्षिण कोरिया में एक हवाई अड्डे पर रविवार को एक यात्री विमान रनवे से फिसल गया और कंक्रीट की दीवार से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई। इस हादसे में विमान में सवार 181 लोगों में से दो को छोड़कर अन्य सभी की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह देश में अब तक हुए सबसे भीषण विमान हादसों में से एक है। उन्होंने बताया कि 'जेजू एयर' का विमान सियोल से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण में मुआन शहर में उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। परिवहन मंत्रालय ने कहा कि विमान 15 साल पुराना बोइंग 737-800 था, जो बैंकॉक से लौट रहा था और दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजकर

तीन मिनट पर हुई। दक्षिण कोरिया की अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि आग लगने की घटना में 179 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 85 महिलाएं और 84 पुरुष शामिल हैं, हालांकि 10 अन्य लोगों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। आपातकालीन कर्मचारियों ने दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और ये दोनों चालक दल के सदस्य थे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि वे होश में हैं और उनकी जान को खतरा नहीं है। अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि अब तक मिले 177 शवों में से अधिकारियों ने 88 की पहचान कर ली है। यात्रियों में मुख्य रूप से दक्षिण कोरियाई नागरिक और थाईलैंड के दो नागरिक भी शामिल थे। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सियोल स्थित उसके दूतावास के अधिकारियों को दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मृतकों में दो थाई यात्री भी शामिल हैं। अग्निशमन एजेंसी ने आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 32 गाड़ियां और कई हेलीकॉप्टर तैनात किए। अग्निशमन एजेंसी और परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, करीब 1,570 अग्निशमन कर्मी, पुलिस अधिकारी, सैनिक और अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर हैं। वाईटीएन टेलीविजन द्वारा प्रसारित एक फुटेज में 'जेजू एयर' विमान हवाई पट्टी पर फिसलकर एक कंक्रीट की दीवार से टकराता हुआ दिखता है।

फर्जी पासपोर्ट रैकेट : पुलिस ने उत्तर 24 परगना से सरगना को किया गिरफ्तार

- ट्रैवल एजेंसी की आड़ में चला रहा था रैकेट
- मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर सात

कोलकाता, समाज्ञा : पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट रैकेट के सरगना को उत्तर 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इसी मामले में पहले गिरफ्तार किए गए लोगों से मिली जानकारी के आधार पर कोलकाता पुलिस ने शनिवार की देर रात जिले के गायघाटा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत चांदापाड़ा स्टेशन रोड स्थित एक घर से मनोज गुप्ता नामक आरोपित को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गुप्ता कोलकाता के बेहाला के सिलपाड़ा इलाके का निवासी है और साखेरबाजार में एक ट्रैवल एजेंसी चलाता था। अपनी ट्रैवल एजेंसी के पीछे वह फर्जी पासपोर्ट रैकेट चला रहा था। वह वीजा जारी करने में भी शामिल था। यूरोप जाने के लिए वह बांग्लादेशियों को वीजा जारी करता था। मनोज को 10 जनवरी तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में अब गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। आरोपितों के पास से कई फर्जी दस्तावेज, हार्ड डिस्क ड्राइव, एक कंप्यूटर और एक लैपटाप जब्त किए गए हैं, जिनका इस्तेमाल फर्जी पासपोर्ट बनाने में किया गया था। पुलिस ने शहर के दक्षिणी हिस्से के हरिदेवपुर इलाके में एक घर पर छापेमारी के दौरान कई फर्जी दस्तावेज बरामद किए थे। यह गिरोह फर्जी पासपोर्ट बनाता था, जिसका मुख्य उद्देश्य बांग्लादेशियों को अवैध पहचान पत्र हासिल करने में मदद करना था, ताकि वे यहां रह सकें और दुनिया भर में घूम सकें।

बंगाल के डीजीपी ने फर्जी पासपोर्ट के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय को लिखा पत्र

पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार ने रविवार को बताया कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को एक पत्र लिखकर पासपोर्ट के दुरुपयोग से निपटने के लिए इनके सत्यापन और वितरण की पूरी व्यवस्था में बदलाव करने का आग्रह किया है। कोलकाता पुलिस ने हाल ही में फर्जी पासपोर्ट के गिरोह का पर्दाफाश किया और इसमें कथित संलिप्तता के लिए कम से कम आठ लोगों को गिरफ्तार किया।भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि विदेश मंत्रालय को लिखे पत्र में उन्होंने सॉफ्टवेयर संबंधी मुद्दों का भी जिक्र किया है और पुलिस अधीक्षकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से सत्यापन प्रक्रिया संचालित करने का विचार पेश किया है। कुमार ने बताया, ''हमने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर पासपोर्ट सत्यापन प्रणाली को मजबूत करने का अनुरोध किया है। हमने एक नई प्रणाली का प्रस्ताव दिया है, जिसमें जिला खुफिया शाखा (डीआईबी), स्थानीय पुलिस थाना और वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होगी। कुमार ने कहा, पत्र में हमने डाकघरों के माध्यम से पासपोर्ट वितरण के बारे में भी अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। सभी एजेंसियों को इन कमजोरियों को दूर करने के लिए सहयोग करना चाहिए। हमारा उद्देश्य दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रणाली को मजबूत करना है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक संगठन ने गिरफ्तार चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग की

ढाका : बांग्लादेश में एक अल्पसंख्यक समूह ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को ''तत्काल रिहा'' करने की रविवार को मांग करते हुए कहा कि उनके खिलाफ दर्ज किया गया मामला ''झूठा'' है और केवल ''उत्पीड़न के उद्देश्य से'' किया गया है। इस्कॉन के सदस्य रह चुके दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उन पर देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए देशद्रोह का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद चटगांव की एक अदालत ने उनकी ज़मानत याचिका खारिज कर दी थी। इस मामले की सुनवाई अब दो जनवरी, 2025 को होगी।

महाकुंभ का संदेश एकता स्थापित करना और समाज से नफरत को खत्म करना है : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महाकुंभ को ''एकता का महाकुंभ'' बताया और लोगों से इस आगामी भव्य धार्मिक समागम से समाज से नफरत और विभाजन को खत्म करने के संकल्प के साथ लौटने का आग्रह किया। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, ''महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश।'' उन्होंने कहा, ''गंगा की अविरल धारा, न बनते समाज हमारा।'' उन्होंने प्रयागराज में अगले साल 13 जनवरी से आयोजित इस समागम में शामिल होने वाले लोगों की विविधता के मद्देनजर कहा कि विविधता में एकता के ऐसे दृश्य का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। उन्होंने कहा, ''महाकुंभ की विशेषता न केवल इसकी विशालता बल्कि इसकी विविधता में भी है।'' यह विशाल धार्मिक आयोजन हर 12 साल में आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं और संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय और कई अखाड़े इसका हिस्सा बनते हैं। उन्होंने कहा, ''इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा नहीं होता है, कोई छोटा नहीं होता है।'' उन्होंने कहा, ''अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। इसलिए हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस बार का महाकुंभ एकता के महाकुंभ के मंत्र को और मजबूत करेगा। जब हम कुंभ में भाग लें, तो एकता का संकल्प भी साथ लेकर चलें। समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प भी लें।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में पहली बार 'एआई चैटबॉट' का इस्तेमाल किया जाएगा और 'डिजिटल नेविगेशन' (दिशा सूचक प्रणाली) की सुविधा से लोगों को अलग-अलग घाटों, मंदिरों और साधुओं के अखाड़ों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'एआई चैटबॉट' के जरिए महाकुंभ से जुड़ी जानकारी 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी।

समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है संविधान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है और यह ''हमारा मार्गदर्शक'' है। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि अगले गणतंत्र दिवस पर संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है। हमारे संविधान निर्माताओं ने हमें जो संविधान सौंपा है वो समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान हमारा मार्गदर्शक है। मोदी ने कहा कि यह भारत का संविधान ही है जिसकी वजह से वह आज यहां हैं। उन्होंने लोगों से 'कॉन्स्टिट्यूशन75 डॉट कॉम' वेबसाइट देखने को कहा, जिसे देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए शुरू किया गया है। मोदी ने कहा कि लोग इस पर संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं, साथ ही अलग-अलग भाषाओं में संविधान पढ़ सकते हैं और संविधान के बारे में प्रश्न भी पूछ सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक वर्ष तक जारी रहने वाली कई गतिविधियां शुरू हुई हैं।

चीन ने दुनिया की सबसे तेज ट्रेन चलाई

पकड़ सकती हैं 450 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार

बीजिंग : चीन ने रविवार को अपनी हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन के अपडेट किए हुए मॉडल का अनावरण किया। ट्रेन के निर्माता का दावा है कि परीक्षण के दौरान इसकी गति 450 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई, जिसके साथ ही यह दुनिया की सबसे तेज हाई-स्पीड ट्रेन बन गई है। चाइना स्टेट रेलवे ग्रुप कंपनी (चाइना रेलवे) के अनुसार सीआर450 प्रोटोटाइप के रूप में जाने जाने वाले नए मॉडल से यात्रा का समय और कम होगा और कनेक्टिविटी भी सुधरेगी, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। सरकारी मीडिया ने यहां बताया कि सीआर450 प्रोटोटाइप की परीक्षण गति 450 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। सरकारी समचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की एक खबर में कहा गया है कि यह वर्तमान में सेवा में मौजूद सीआर400 फक्सिंग हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) से काफी तेज है, जो 350 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलती है।

शारीरिक संबंध का मतलब यौन उत्पीड़न नहीं: दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने पॉक्सो मामले में एक व्यक्ति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि नाबालिग पीड़िता ने 'शारीरिक संबंध' शब्द का इस्तेमाल किया है, जिसका अर्थ अपने आप से यौन उत्पीड़न नहीं निकाला जा सकता। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने आरोपी की अपील स्वीकार कर ली, जिसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि निचली अदालत ने कैसे निष्कर्ष निकाला कि कोई यौन उत्पीड़न हुआ था, जबकि पीड़िता स्वेच्छा से आरोपी के साथ गई थी। अदालत ने कहा कि शारीरिक संबंधों से लेकर यौन उत्पीड़न और संभोग तक की बात को साक्ष्य के माध्यम से साबित किया जाना चाहिए और केवल आशंकाओं के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। अदालत ने 23 दिसंबर को पारित फैसले में कहा, केवल इस तथ्य से कि पीड़िता की उम्र 18 वर्ष से कम है, इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि संभोग हुआ था। वास्तव में, पीड़िता ने 'शारीरिक संबंध' वाक्यांश का इस्तेमाल किया था, लेकिन इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि उसके कहने का क्या अर्थ था। अदालत ने कहा, यहां तक कि 'संबंध बनाया' शब्द का उपयोग भी पॉक्सो अधिनियम की धारा 3 या आईपीसी की धारा 376 के तहत अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। हालांकि पॉक्सो अधिनियम के तहत, अगर लड़की नाबालिग है तो सहमति मायने नहीं रखती।

पटना में प्रदर्शन को लेकर प्रशांत किशोर समेत 21 लोगों पर एफआईआर दर्ज

पटना : बिहार लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों के हंगामा प्रदर्शन के मामले में प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पर गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रशांत किशोर पर आरोप है कि उन्होंने अभ्यर्थियों को उकसाया, उन्हें सड़क पर लाकर हंगामा करने के लिए प्रेरित किया। इसके चलते उनके खिलाफ कई गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। इस मामले में प्रशांत किशोर समेत 21 से अधिक नामजद और 600 से अधिक अज्ञात लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। पटना के जिलाधिकारी ने पूरे मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रदर्शन के दौरान हुई अव्यवस्था और कानून-व्यवस्था के उल्लंघन के कारण ये कार्रवाई की गई है। मामले की जांच जारी है, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

इसरो जनवरी में अंतरिक्ष में उपग्रहों की 'डॉकिंग' का प्रदर्शन करेगा, आज प्रक्षेपण

नयी दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कक्षा में अंतरिक्ष यान की 'डॉकिंग' और 'अनडॉकिंग' का प्रदर्शन करने के लिए सोमवार रात श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से दो उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। प्रदर्शन में कामयाबी मिलने पर भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि इसरो का रॉकेट ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) दो उपग्रहों एसडीएक्स-एक और एसडीएक्स-दो को 476 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित करेगा और जनवरी के पहले सप्ताह में अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पैडएक्स) का प्रयास करेगा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, ''यह मिशन अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने में सक्षम देशों की विशेष श्रेणी में भारत के प्रवेश को रेखांकित करेगा।'' स्पैडएक्स मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत के भविष्य के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित होने की उम्मीद है, जिसमें पृथ्वी पर चंद्रमा से चट्टानें और मिट्टी लाना, प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रमा की सतह पर एक अंतरिक्ष यात्री को उतारना शामिल है। अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल की है। इसरो के एक अधिकारी ने कहा, ''स्पैडएक्स मिशन का प्राथमिक उद्देश्य दो छोटे अंतरिक्ष यानों (एसडीएक्स-एक, जो कि चेजर है, और एसडीएक्स-दो, जो कि लक्ष्य है) के पृथ्वी की निचली वृत्ताकार कक्षा में संयोजन 'डॉकिंग' और 'अनडॉकिंग' के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी का विकास और प्रदर्शन करना है।''

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थेपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए में 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown
Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632

e-mail : santdr@gmail.com
www.drsantoshkumarortho.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

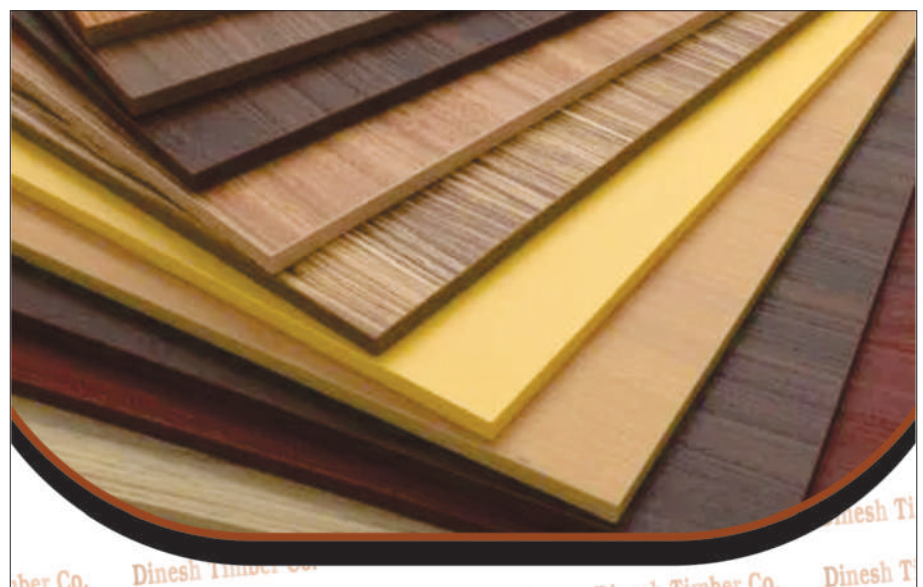

Ram Naresh Jaiswal M: 9830913810

Dinesh Timber Co.

Dealers :
All types of Timber, Plywood,
Shuttering Woods & Shuttering Plywood.

19, Orphangunge Road, Kolkata-700023(Near Taj Bengal Hotel)
Phone: 033 2479 3089. E-mail: timberply@hotmail.com

मनमोहन सिंह की विरासत सहेजे देश

निस्संदेह, ख्यात अर्थशास्त्री और एक कुशल प्रशासक डॉ. मनमोहन सिंह का अवसान देश-दुनिया के लिये एक दुखद क्षण है। आज के दौर में उन जैसा कुशाग्र बुद्धि का अर्थशास्त्री व सहज-सरल व्यक्ति होना दुर्लभ ही है। वे ऐसे विशिष्ट व्यक्तित्व के धनी थे कि तमाम विषम परिस्थितियों में भी अपनी सज्जनता और विनम्रता बरकरार रखते थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग गठबंधन की पराजय के अगले दिन 17 मई को प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र के नाम अपने अंतिम संबोधन में उन्होंने चिरपरिचित विनम्रता को दोहराया कि बड़ी जिम्मेदारी निभाते हुए भी उनका जीवन एक खुली किताब रहा है। उनके इस कथन पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि उन्होंने वित्तमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सदैव राष्ट्र के लिए अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास किया। पहले वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की नीतियों का कुशल नेतृत्व किया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री के रूप में महती भूमिका निभायी। निस्संदेह परिस्थितियां हमेशा हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं होती, लेकिन कड़ी मेहनत से उसे हासिल किया जा सकता है। वे कहते थे 'परिश्रम मेरा उपकरण और सच्चाई मेरा प्रकाश स्तंभ रहा है।' निर्विवाद रूप से सच्चाई और पारदर्शिता सदैव उनके व्यक्तित्व की आभा रही। उनके नेतृत्व वाली सरकार की एक बड़ी उपलब्धि वर्ष 2005 में सूचना अधिकार अधिनियम का अस्तित्व में आना था। इस ऐतिहासिक कानून का मकसद देश के नागरिकों को सशक्त बनाना और सरकारी विभागों के कामकाज में आवश्यक जवाबदेही सुनिश्चित करना था। इस सार्थक पहल से तंत्र के चारों ओर बना गोपनीयता का पर्दा आखिरकार हटा दिया गया। कालांतर लोगों को अहसास हुआ कि लोकतंत्र में सिर्फ वोट डालने के अलावा भी उनके तमाम अधिकार हैं। इसके अलावा वर्ष 2005 में एक अन्य अग्रणी सुधार के रूप में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू होना भी ग्रामीण विकास की यात्रा में मील का पत्थर साबित हुआ।

निर्विवाद रूप से मनरेगा ने सामाजिक कल्याण के उपाय के रूप में ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करके जीवन बदलने में मदद की। जिसका सकारात्मक प्रतिसाद अगले आम चुनावों में संप्रग को मिला भी। इसके बावजूद मनमोहन सिंह अपनी सरकार की पहलों के बारे में शेखी बघारने और खुद अपनी पीठ थपथपाने में विश्वास नहीं रखते थे। उनकी प्राथमिकता खुद से पहले देश सेवा की रही है। लेकिन उनकी विफलता उन विसंगतियों को दूर न कर पाने में रही, जिसके चलते कालांतर यूपीए सरकार का पतन हुआ। यही वह चूक थी जिसके चलते भाजपा संप्रग सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मुद्दे को भुनाकर कांग्रेस से सत्ता छीनने में सफल रही। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत-अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौते को अमलीजामा पहनाया जा सका। जिसने कालांतर दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग के लिये गेमचेंजर की भूमिका निभायी। इसके बाद ही दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयां मिल सकी। निश्चय ही वर्ष 2008 के आतंकी हमले से भारत के मर्म पर चोट लगी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई से बचने का फैसला किया। इस व्यावहारिक निर्णय ने दोनों पड़ोसियों को एक और युद्ध में फंसने से रोक दिया था। हालांकि, वे आमतौर पर मृदुभाषी और आत्मकेंद्रित व्यक्ति थे, लेकिन जब स्थितियां अस्वीकार्य हो जाती थी तो वे अपने मन की बात कहने से नहीं चूकते थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले जारी एक पत्र में उन्होंने चुनावी समर में वोटों के लिये विभाजनकारी भाषणों को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कड़ी अलोचना की थी। साथ ही राजग के शीर्ष नेतृत्व को सार्वजनिक संवाद की गरिमा बनाये रखने को कहा। बहरहाल, उनके योगदान को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का हमेशा सम्मान किया जाएगा। निस्संदेह, देश के सत्ताधीश मनमोहन सिंह की विरासत से बहुत कुछ सीख सकते हैं। जो बताते थे कि कोई भी व्यक्ति या सरकार देश से बड़ी नहीं हो सकता। यह भी कि काम बोलता है, उसे शब्दों से बयां करने की जरूरत नहीं है।

शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की दिशा में अहम फैसला

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

जुलाई 2018 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर लोकसभा में शिक्षा का अधिनियम, 2009 के संशोधन पर अपनी बात रख रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कई सरकारी स्कूल अब मिड डे मील स्कूल बन गए थे क्योंकि इनमें शिक्षा और सीखना ग़ायब है। उस समय केंद्र में नो डिटेंशन पॉलिसी थी जिसे अब केंद्र की मोदी सरकार ने पांचवीं और आठवीं कक्षा के लिए हटा दिया है। मोदी सरकार के इस फैसले के बाद अब पांचवीं और आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों को फेल किया जा सकता है। साल, 2010 में केंद्र की मनमोहन सरकार निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार, अधिनियम में संशोधन करके नो डिटेंशन पॉलिसी बनाई थी।

कहा जा रहा था कि इस फैसले के चलते छात्रों द्वारा परीक्षाओं को गंभीरता से न लेने से शैक्षिक गुणवत्ता में गिरावट देखी जा रही थी। छात्रों को लगने लगा था कि जब वे फेल नहीं होंगे और अगली कक्षा में बिना पढ़े चले जाएंगे, तो पढ़ना किस लिए। जिसके चलते शैक्षिक स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। सरकार के इस फैसले से केंद्र के अधीन चलने वाले लगभग 3000 स्कूल प्रभावित होंगे। इनमें केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूल शामिल हैं।

नो डिटेंशन पॉलिसी जब लाई गई थी तो उसका उद्देश्य स्कूलों में हो रहे ड्रॉपआउट को कम करना, सीखने की प्रक्रिया को आनंददायक बनाना और परीक्षा में फ़ेल होने के डर को दूर करना था। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 छह से 14 साल के बच्चे के लिए शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाता है और इसके सेक्शन 16 में नो डिटेंशन पॉलिसी का विस्तार से ज़िक्र है। इसके मुताबिक़, नो डिटेंशन का प्रावधान इसलिए बनाया गया है क्योंकि परीक्षाओं का इस्तेमाल अक्सर खराब अंक पाने वाले बच्चों को बाहर करने के लिए किया जाता है. एक बार 'फेल' घोषित होने के बाद, बच्चे या तो कक्षा दोहराते हैं या फिर स्कूल ही छोड़ देते हैं। बच्चे को एक कक्षा दोहराने के लिए मजबूर करना हतोत्साहित करने वाला होता है। आरटीई अधिनियम में 'नो डिटेंशन' प्रावधान का मतलब बच्चों की शिक्षा का आकलन करने वाली प्रक्रियाओं को छोड़ना नहीं है।

नो डिटेंशन पॉलिसी के तहत किसी भी छात्र को तब तक फेल नहीं किया जा सकता है, जब तक कि वह कक्षा एक से लेकर आठवीं तक प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर लेता है। इसका मतलब है कि अगर कोई छात्र फेल होता है तो उसे अगली क्लास में प्रमोट कर दिया जाएगा। इस पॉलिसी के तहत छात्रों का मूल्यांकन पारंपरिक परीक्षा प्रणाली से अलग सतत और व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) के तहत किया जाता है। इसमें पेपर-पेंसिल टेस्ट, चित्र बनाना, पढ़ना और मौखिक रूप से अभिव्यक्ति आदि शामिल है।

दरअसल, पहले सरकार ने इस मुद्दे पर संवेदनशील व मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए छात्रों के प्रति उदार रवैया अपनाया। यह माना गया कि छात्रों को फेल करने से उनके आत्मसम्मान को ठेस लगती है। कतिपय स्थानों पर फेल होने के तनाव में आत्महत्या तक के मामले प्रकाश में आए थे। यही वजह थी कि विद्यार्थियों के स्वाभाविक विकास व उनका मनोबल ऊंचा रखने के लिये उन्हें फेल न करने की नीति अपनाई गई। दरअसल, नो डिटेंशन नीति लागू करने का मकसद यही रहा कि वंचित व पिछड़े समाज के छात्रों को स्कूलों में अधिक से अधिक दाखिला पाने का मौका मिले।

यह नीति राइट टू एजुकेशन का हिस्सा थी। दरअसल, इस नीति का मकसद स्कूलों में बेहतर वातावरण बनाना था जिससे बच्चे बिना किसी भय के नियमित स्कूल आते रहें। उन्हें फेल न करने की नीति का मकसद यह भी था कि वे फेल होने पर शर्म महसूस न करें। किसी तरह का तनाव न झेलें। लेकिन इस कोशिश का परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई से विमुख होने लगे। उनके मन से परीक्षा की गंभीरता का भाव जाता रहा। यही वजह थी कि जुलाई 2018 में राइट टू एजुकेशन को संशोधित करने हेतु लोकसभा में बिल पेश किया गया। इसमें स्कूलों में लागू नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने का विचार किया गया। कालांतर 2019 में राज्य सभा में भी यह बिल पारित हुआ।

दरअसल, संशोधित नीति के अंतर्गत परीक्षाओं में फेल होने वाले विद्यार्थियों के लिये दो माह के भीतर पुन: परीक्षा की व्यवस्था की गई। कहा गया कि पांचवीं व आठवीं के विद्यार्थियों के लिये नियमित परीक्षा कराई जाए। दरअसल, संसद में संशोधन बिल पारित होने के उपरांत राज्य सरकारों को छूट दी गई थी कि वे नो डिटेंशन नीति को हटा सकते हैं। इसे राज्यों के विवेक पर छोड़ा गया क्योंकि शिक्षा राज्यों का विषय होता है। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने शैक्षिक सुधारों की दिशा में कदम उठाते हुए नई नीति के तहत केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों तथा सैनिक स्कूलों में नो डिटेंशन नीति को खत्म कर दिया है।

परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को एक और परीक्षा का मौका तो दिया जाएगा, लेकिन उन्हें स्कूल से निकाला नहीं जाएगा। दोबारा फेल होने पर वे उसी कक्षा में फिर से पढ़ाई करेंगे। निस्संदेह, फैसले के बाद छात्र इम्तिहानों को गंभीरता से लेने पर परीक्षाओं की गरिमा भी बरकरार रहेगी। दरअसल, सरकार की कोशिश रही है कि नई शिक्षा नीति उदार बनी रहे और इससे उनकी सीखने की प्रवृत्ति का विकास हो सके।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 का असर स्कूली छात्रों के एडमिशन में और पढ़ने-लिखने की क्षमता पर देखा जा सकता है। एन्युअल स्टेट्स ऑफ़ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) बच्चों के एडमिशन के साथ बुनियादी पढ़ने और गणित समझने की क्षमता से संबंधित सर्वे है। यह सर्वे देश के लगभग हर ज़िले में एक स्थानीय संस्था के वॉलिंटियर्स के द्वारा किया जाता है।

एएसईआर के आंकड़ों के अनुसार, स्कूलों में दाखिला लेने वाले 7 से 16 साल की आयु के बच्चों की संख्या में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 2008 में 7 से 16 वर्ष की आयु के लगभग 5.7 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जाते थे, यह संख्या 2022 में घटकर 2.3 फीसदी रह गई। लेकिन रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पढ़ने और अंकगणितीय क्षमता के आधार पर सीखने के स्तर में भी इस अवधि के दौरान गिरावट आई है।

यहां उल्लेखनीय है कि पहले ही बीस राज्य व केंद्रशासित प्रदेश नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त कर चुके हैं। लेकिन यहां जरूरी है कि स्कूलों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती दी जाए। इसके लिये आवश्यक है कि शिक्षा में छात्रों की रुचि बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम लागू हों, व्यक्तिगत शिक्षण दृष्टिकोण तथा व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा मिले। ऐसे में यदि छात्रों को प्रणालीगत विफलताओं का त्रास झेलना पड़े तो यह उनके प्रति अन्याय करने जैसा ही होगा।

चिंता व्यक्त की जाती रही है कि नये फैसले से हाशिये पर रहने वाले समुदायों के बच्चों के साथ न्याय नहीं होगा। उनमें फेल होने के डर से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। जिसकी आशंका तमिलनाडु जैसे राज्य पहले ही जता चुके हैं। चिंता जतायी जाती रही है कि ऐसे प्रयासों से शिक्षा के अधिकार की रचनात्मक पहल बाधित हो सकती है। -चिकित्सक एवं लेखक

संभलः इतिहास के पन्नों से जीवंत होती हिन्दू धर्म की विरासत

सुशांत अमन

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का संभल जिला आजकल लाइमलाइट में हैं। देश-विदेश सभी जगह संभल की चर्चा चल रही है। ऐसा लग रहा है कि पूरा संभल ही ऐतिहासिक धरोहर पर बैठा हो और जिसे मुगल काल में बेरहमी से 'कुचला' गया हो। दरअसल, आज का मुस्लिम बाहुल्य संभल हमेशा ऐसा नहीं था। पिछले कुछ दशकों में यहां हिन्दुओं की जनसख्या काफी तेजी से कम हुई है। इसके पीछे की मुख्य वजह यहां दंगों का इतिहास रहा है,जिसमें सैकड़ों हिन्दुओं को समय-समय पर जान से हाथ धोना पड़ चुका था,लेकिन किसी सरकार ने इसकी सुध नहीं ली, परिणाम स्वरूप यहां से बड़ी संख्या में भयभीत हिन्दुओं ने पलायन कर लिया। फिर भी संभल हिन्दुओं के लिये हमेशा से धार्मिक महत्व रखता है। यह विष्णु के दसवें और अंतिम अवतार कल्कि का कथित जन्म स्थान है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार,कल्कि कलयुग (अंधकार का युग) को समाप्त करने के लिए संभल में प्रकट होने वाले हैं। वर्ष 2024 की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां भव्य कल्कि धाम का शिलान्यास और 'राम राष्ट्र' का आह्वान किया था। दावा यह किया गया था कि कल्कि का अवतार हजारों वर्षों के भविष्य का निर्धारण करेगा।

खैर, साल के शुरू में भगवान विष्णु के आखिरी अवतार कल्कि महाराज के संभल में प्रकट होने की बात कही जा रही थी तो साल का अंत आते-आते कुछ हिन्दू पक्षकारों द्वारा दावा किया जाने लगा कि संभल की जामा मस्जिद भगवान कल्कि को समर्पित एक मंदिर के खंडहरों पर बनाई गई थी। मामला स्थानीय अदालत में पहुंचा और याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया गया है कि 1526-27 में बाबर के आक्रमण के दौरान मंदिर को नष्ट करने के बाद मस्जिद का निर्माण किया गया था। सबूत के तौर पर कहा गया कि बाबरनामा और अकबरनामा जैसे ऐतिहासिक ग्रंथ बाबर की ओर से मंदिर के विनाश का दस्तावेजीकरण करते हैं। कोर्ट ने इस पर सर्वे का आदेश दे दिया,जिसकी परिणीति 24 नवंबर 2024 को संभल में हुये दंगे के रूप में हुई। क्योंकि जामा मस्जिद के पैरोकार यह बात मानने को तैयार नहीं थे कि उनकी मस्जिद किसी मंदिर के ऊपर बनाई गई है। इसी लिये सर्वे टीम जब 24 तारीख को सर्वे करने के लिये जामा मस्जिद पहुंचे तो शहर में पुलिस और मुस्लिम आमने-सामने आ गये जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। इसके बाद किसी तरह से मामला शांत किया गया।

जामा मस्जिद बनाम कल्कि मंदिर का विवाद थमा भी नहीं था कि कुछ दिनों बाद यहां अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में प्राचीन मंदिर मिलने के बाद एक बार फिर संभल देशभर में सुर्खियों में आ गया। दरअसल, जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद प्रशासन की टीम इलाके में बिजली और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चला रही थी। इसी अभियान के दौरान 14 दिसंबर को खग्गू सराय इलाके में प्रशासन को एक प्राचीन मंदिर मिला, जो करीब 50 सालों से बंद पड़ा था। यह कार्तिकेश्वर महादेव का मंदिर था। मंदिर में शिवलिंग के अलावा हनुमान की मूर्ति थी। इसी मंदिर से तकरीबन 200 मीटर दूर सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क का घर है। बाद में कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर के पास कुआं मिला। कुएं की खुदाई में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली। इसी मंदिर से 50 मीटर पर दूरी पर दूसरा कुआं मिला, जो मस्जिद के सामने मौजूद था। इसके बाद 17 दिसंबर को संभल के सरायतरीन इलाके में राधा कृष्ण मंदिर मिला। मंदिर के प्रांगण में ही कुआं निकला। मंदिर के अंदर राधा कृष्ण के अलावा हनुमान की मूर्ति थी। बाद में इसकी साफ सफाई कराई गई। फिर 21 दिसंबर को संभल के चंदौसी तहसील इलाके के लक्ष्मण गंज में खंडहरनुमा प्राचीन बांके बिहारी मंदिर मिला। कहा जा रहा है कि 25 साल पहले इस इलाके में हिंदू बड़ी तादाद में रहा करते थे, लेकिन कुछ समय बाद यहां मुसलमानों की संख्या बढ़ी और हिंदुओं की आबादी कम होने के चलते धीरे-धीरे उनके यहां से पलायन शुरू हो गया। ये भी बताया जा रहा है कि इस मंदिर में 2010 तक पूजा अर्चना होती थी, लेकिन 2010 में कथित रूप से शरारती तत्वों ने मंदिर में विराजमान भगवान बांके बिहारी की प्रतिमा और शिवलिंग समेत अन्य मूर्ति को खंडित कर दिया था।

संभल के इतिहास में 22 दिसंबर फिर खास बनकर आया क्योंकि अबकि से संभल की तहसील चंदौसी के लक्ष्मण गंज में एक पुरानी बावड़ी मिली थी। बताया जाता है कि ये बावड़ी तकरीबन 150 साल पुरानी है।इसका दायरा करीब 400 वर्ग मीट है। बांके बिहारी मंदिर से तकरीबन 150 मीटर दूर यह बावड़ी मिली है। स्थानीय लोगों का दावा है कि ये 1857 की बावड़ी है। स्थानीय लोग कहते हैं कि हिंदुओं का पलायन होने के बाद से उस जगह को माफियाओं ने कब्जा लिया था। इतिहास यहीं तक नहीं था। 26 दिसंबर को संभल के खग्गू सराय इलाके में शाही जामा मस्जिद से तकरीबन 200 मीटर दूर एक मृत्यु कूप मिला है। संभल नगर निगम के वार्ड मेंबर के मुताबिक, ये कूप संभल के 19 कूपों में से एक है। ये कूप पिछले कई सालों से बंद हो गया। आसपास के जो घर बने हैं, उसका मालवा यहां डाल दिया गया था। अब नगर निगम इस कूप की खुदाई करवा रहा है, ताकि इस प्राचीन कूप को एक बार फिर से जीवंत किया जा सके।

चंदौसी में बावड़ी मिलने के बाद चंदौसी से कुछ किलोमीटर दूर बिलारी के राजा और पूर्व सांसद राजा चंद्रविजय सिंह ने सहसपुर स्थित अपने महल में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि लोग कह रहे थे कि चंदौसी में एक बावड़ी मिली है। बावड़ी तीन मंजिल की है, जो अनोखी चीज है। उत्तरी भारत में बहुत कम बावड़ी हैं। बावड़ी का ज्यादा रिवाज राजस्थान और गुजरात आदि में होता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बावड़ी को अपनी बता रहे हैं। जो लोग ये कह रहे हैं उनसे वह परिचित नहीं हैं। जबकि सच्चाई ये है कि हमारे परिवार की बनाई हुई है। हमारे परिवार की मिल्कियत है। परिवार में दो लोग हैं। एक मैं और मेरी छोटी बहन। ये बात स्पष्ट करनी थी। राजा चंद्र विजय सिंह ने कहा कि हम ये चाहते हैं कि पुरातत्व विभाग इसे अपनी सुपुर्दगी में ले और उसका जीर्णोद्धार करे, ताकि यह चंदौसी वासियों के लिए एक अच्छा पर्यटन स्थल बने। बेबी राजा ने बताया कि बावड़ी के बारे में उन्होंने सुना था लेकिन ये नहीं मालूम था कि यहां दबी है। वहां जो कृष्ण निवास करके कोठी थी। वह हमारे बुजुर्ग राजा कृष्ण कुमार सिंह साहब ने बनवाई थी। वहां एक पत्थर भी लगा है। जिस पर कृष्ण निवास लिखा है। उसी कोठी परिसर में ये बावड़ी बनी है। प्रशासन पुराने रिकॉर्ड खंगाले तो सच सामने आ जाएगा।

आज का पंचांग

कोलकाता : 30 दिसम्बर, सोमवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, पौष कृष्णपक्ष अमावस्या, 27:54 तक, नक्षत्र : मूल, 23:47 तक, योग : वृद्धि, 20:24 तक, सूर्योदय: 6:16, सूर्यास्त: 17:02 चन्द्रोदय : 05:42, चन्द्रास्त: 16:21, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : धनु, राहू काल : 07:39 से 08:59

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए सोमवार का दिन मध्यम फलदायी रहने वाला है। आज व्यापार में अनावश्यक परेशानियों के आने से धन के मार्ग प्रभावित हो सकते हैं।

वृष : वृषभ राशि वालों को सोमवार के दिन गलत तरीके से पैसा कमाने से बचना होगा यानी किसी का दिल दुखाकर धन एकत्रित नहीं करना है। आपको कोई आवश्यक सूचना भी प्राप्त होगी।

मिथुन : मिथुन राशि वालों को सोमवार के दिन पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिससे कामकाज में मन नहीं लगेगा और मानसिक तनाव हो सकता है।

कर्क : कर्क राशि वालों को सोमवार के दिन कामकाज में मेहनत करने के बाद आपको मनचाहा लाभ मिलेगा, जिससे आप खुश नजर आएंगे और धन संबंधित समस्या दूर होगी।

सिंह : सिंह राशि वालों को आज के दिन अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा क्योंकि परिवार के सदस्य आपसे कुछ मांग कर सकते हैं, जिन्हें आपको सोच समझकर पूरी करनी चाहिए।

कन्या : कन्या राशि वाले सोमवार के दिन अपने रुके हुए कार्यों को भी पूरा कर सकते हैं। निवेश करने के लिए दिन उत्तम रहेगा और अटके धन की प्राप्ति के योग भी बन रहे हैं।

तुला : तुला राशि वालों के लिए सोमवार का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और एक के बाद एक मामले आसानी से सुलझेंगे।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वाले आज व्यस्तता के बीच वैवाहिक जीवन के लिए समय निकाल पाएंगे। जिससे आपके वैवाहिक जीवन के सुखों में वृद्धि होगी और रिश्ता मजबूत होगा।

धनु : धनु राशि वालों के लिए सोमवार का दिन उतार चढ़ाव वाला रहेगा। अगर आपको किसी यात्रा पर जाना है तो उसे कुछ समय के लिए टाल दें तो बेहतर रहेगा।

मकर : मकर राशि वालों के लिए सोमवार का दिन अच्छा रहने वाला है। अगर आप चल या अचल संपत्ति खरीदने का मन बना रहे हैं तो उसके कानूनी पहलुओं को स्वतंत्र रूप से जांच लें।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों के लिए आज का दिन कुछ आर्थिक संकट पैदा कर सकता है इसलिए अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। करियर की स्थिति को देखते हुए आज आप थोड़े चिंतित रहेंगे।

मीन : मीन राशि वालों के लिए सोमवार का दिन लाभदायक रहने वाला है। आज आपके जीवन में चल रहीं उलझने खत्म होंगी और विरोधी भी परास्त होंगे।

विदेश की खबरें

नेतन्याहू की प्रोस्टेट सर्जरी होगी

तेल अवीव : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रोस्टेट को हटाने संबंधी सर्जरी रविवार को की जायेगी। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि नेतन्याहू के करीबी सहयोगी एवं न्याय मंत्री यारीव लेविन इस प्रक्रिया के दौरान कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में काम करेंगे। नेतन्याहू (75) को हाल के वर्षों में कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने पूरी तरह से स्वस्थ और ऊर्जावान नेता के रूप में अपनी

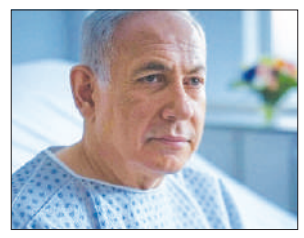

सार्वजनिक छवि को मजबूत करने के लिए काफी प्रयास किये हैं। हालांकि इजराइल के सबसे लम्बे समय तक सत्ता में रहने वाले नेता के रूप में कार्यभार का दबाव उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। नेतन्याहू के वकील अमित हदाद ने अदालत को बताया कि इजराइली प्रधानमंत्री को सर्जरी के दौरान पूरी तरह से बेहोश रखा जाएगा और उन्हें ''कई दिनों'' के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जायेगा। इसलिए इस सप्ताह होने वाली उनकी तीन दिन की गवाही को रद्द किया जाए। अदालत ने उनकी अपील को मंजूरी दे दी। बुजुर्ग पुरुषों में प्रोस्टेट संबंधी समस्याएं आम हैं और इनसे वे जल्दी ठीक हो सकते हैं। नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार इजराइली नेता को बुधवार को मूत्र मार्ग में संक्रमण का पता चला था।

अजरबैजान के विमान को रूस ने मार गिराया, पर ऐसा जानबूझकर नहीं किया गया: राष्ट्रपति अलीयेव

मॉस्को : अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह दुर्घटनाग्रस्त हुए अजरबैजान के विमान को रूस ने मार गिराया था, हालांकि ऐसा अनजाने में हुआ था। अलीयेव ने अजरबैजान के सरकारी टेलीविजन को बताया कि विमान पर रूस की जमीन से हमला किया गया था। उन्होंने कहा कि विमान को जानबूझकर नहीं गिराया गया था। हालांकि, उन्होंने रूस पर कई दिनों तक इस मामले को दबाये रखने का प्रयास करने का आरोप लगाया। अलीयेव ने कहा, ''हम पूरी स्पष्टता के साथ कह सकते हैं कि विमान को रूस ने मार गिराया था। हम यह नहीं कह रहे हैं कि यह जानबूझकर किया गया था, लेकिन ऐसा किया गया था।'' उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यवश, पहले तीन दिन तक हमें रूस से केवल भ्रामक बयानों के अलावा कुछ नहीं सुनने को मिला।'' कजाकिस्तान में अकताऊ शहर के निकट अजरबैजान एयरलाइन का एक विमान बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे उसपर सवार 67 में से 38 लोगों की मौत हो गई थी।

पक्षी से टकराने के बाद हेलीकॉप्टर को काठमांडू के निकट आपात स्थिति में उतारा गया

काठमांड : अमेरिका के पांच नागरिकों को लेकर रविवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू जा रहे एक हेलीकॉप्टर को एक पक्षी से टकराने के कारण राजधानी से 50 किलोमीटर पूर्व में बनेपा में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निजी हेली एवरेस्ट एयरलाइन का 9एन-एकेजी हेलीकॉप्टर माउंट एवरेस्ट के प्रवेश द्वार लुक्ला से आ रहा था कि जो पूर्वाह्न 11 बजे एक पक्षी से टकरा गया।

वर्ग पहेली नं. 2961

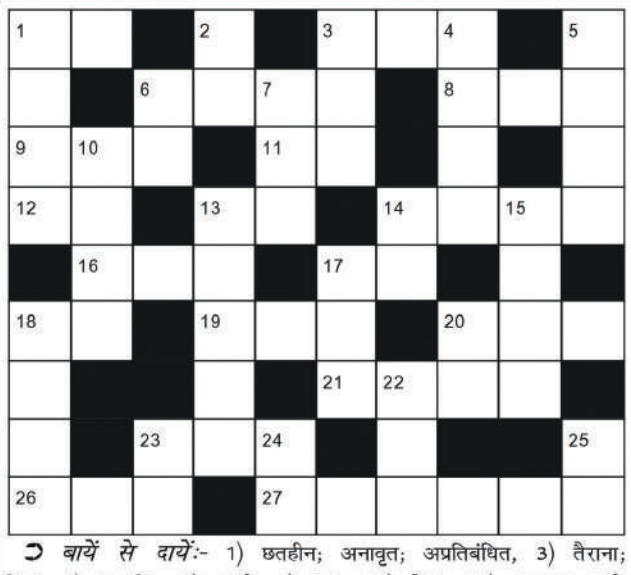

⊃ *बायें से दायें:-* 1) छतहीन; अनावृत; अप्रतिबंधित, 3) तैराना; मिस, 6) सम्पत्ति, 8) अर्थ, 9) घर, 11) देश, 12) इसलाम धर्म; करुणाजनक; निम्नवित्त, 13) शपथ, 14) जान लेना, 16) बिरियानी, 17) अंकुश, 18) सुबह, 19) विस्फोट, 20) मापना, 21) ठंडक, 23) कोशिश; जुगत; प्रयास, 26) तमाचा, 27) पचीस वर्ष; *सिल्वर जुबिली.*

⊃ *ऊपर से नीचे:-* 1) चापलूस, 2) एक पेय, 3) शरीर, 4) अज्ञात, 5) आपसदारी; यातायात, 6) प्राण, 7) ब्योरा; वृत्तांत, 10) उत्तरप्रदेश में एक शहर, 13) खातिरदारी, 14) संबंधी; नज़दीकी; सहोदर, 15) तत्काल, 17) मूल्य; क्षमता; प्रतिष्ठा, 18) शिव, 20) डोंगा; नौका, 22) पीड़ा-मुक्ति; निजात; छुटकारा, 23) आधार; मूल; कंद, 24) पुंल्लिंगीय, 25) बेटाबेटी.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

ना	मी	■	अ	सं	भा	व	■	बे	ड़ी
का	■	क	र्क	■	य	■	द्रो	ह	■
म	जा	ल	■	बे	दा	ग़	■	द	मा
या	■	ह	ठ	■	य	म	ल	■	ला
बी	ट	■	म	ह	क	■	ज़ि	■	मा
■	ना	वि	क	■	■	ग	त	का	ल
■	ट	■	ना	ग	वा	र	■	र	■
ज	न	ना	■	र	■	द	बं	ग	ता
म्मू	■	ना	मु	म	कि	न	■	र	ज़ा

सुडोकू-पहेली-2921

	4						7	
5			2					
					1			
		1	3			2		
	6			7				
						8		
3				4			6	
		2				5		
							4	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2920 का उत्तर

8	6	7	4	1	2	5	3	9
9	3	1	5	6	7	4	2	8
5	2	4	9	8	3	1	6	7
2	8	6	3	9	1	7	5	4
7	9	5	8	2	4	3	1	6
1	4	3	7	5	6	8	9	2
6	7	9	1	3	8	2	4	5
3	5	8	2	4	9	6	7	1
4	1	2	6	7	5	9	8	3

पड़ोसी देश की अस्थिरता का फायदा उठाकर बंगाल में समस्याएं पैदा नहीं करने देंगे : डीजीपी

लोगों से संदिग्ध गतिविधियां दिखने पर पुलिस को सूचित करने की अपील

✒ डीजीपी ने कहा... 'बांग्लादेश की स्थिति पर रख रहे हैं नजर'

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश में मचे उथल-पुथल के बीच सीमा पार से घुसपैठ बढ़ रही है। बंगाल के सीमावर्ती जिलों से हाल में विभिन्न आतंकी संगठनों के सदस्यों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है, ऐसे में राज्य की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। इन सबके बीच राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार ने रविवार को मीडिया के सामने आकर दो टूक कहा कि हम पड़ोसी देश की अस्थिरता का फायदा उठाकर बंगाल में समस्याएं पैदा नहीं करने देंगे। इस दिन, भवानी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा सख्त लहजे में कहा कि जो लोग समस्याएं पैदा करने की कोशिश करेंगे उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि हम राज्य के सभी लोगों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि बंगाल पुलिस एक बहुत ही पेशेवर पुलिस बल है। अतीत में भी हमने देखा है कि हमने वामपंथी और दक्षिणपंथी उग्रवाद से बहुत अच्छी तरह से लड़ाई लड़ी है। हम फिर से ऐसा करेंगे। हम बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। अवैध घुसपैठ का मुकाबला करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा हमारे हाथ में नहीं है। सीमा की सुरक्षा का दायित्व बीएसएफ के हाथ में है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट मीडिया पर बहुत सारी झूठी बातें भी फैलाई जा रही है। उन्होंने झूठी खबरों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। डीजीपी ने लोगों से अपील की कि अगर आपको कुछ भी संदिग्ध गतिविधियां दिखे तो पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति बनाए रखने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

'पता वेरिफिकेशन के लिए पुलिस जिम्मेदार नहीं', फर्जी पासपोर्ट मामले में बोले डीजीपी

राज्य में फर्जी भारतीय पासपोर्ट रैकेट के खुलासे के बाद सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं और इस मामले में राज्य पुलिस पर पासपोर्ट वेरिफिकेशन (सत्यापन) में लापरवाही के गंभीर आरोप लगे हैं। इन सबके बीच इस मुद्दे पर बंगाल पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार का कहना है कि पुलिस पासपोर्ट के एड्रेस के वेरिफिकेशन के लिए जिम्मेदार नहीं है। संवाददाता सम्मेलन में डीजीपी ने इस बात पर जोर दिया कि पासपोर्ट के एड्रेस की पुष्टि करने में पुलिस की कोई भूमिका नहीं है, बल्कि यह कार्य पासपोर्ट प्राधिकरण के अंतर्गत आता है। उन्होंने इसके लिए पासपोर्ट प्राधिकरण के निर्देशों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा दिशा- निर्देश भ्रामक हैं, जो कमियां पैदा करते हैं। जिसका फायदा धोखाधड़ी के लिए उठाया जा सकता है। डीजीपी ने कहा कि पासपोर्ट सिस्टम में कमियों के बारे में हमने संबंधित एजेंसियों को बताया है। हमने सुझाव दिया है कि इसे बदला जाना चाहिए। डीजीपी ने कहा कि हम अपनी खुद की चीजों में भी बदलाव करने जा रहे हैं। अब से सत्यापन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, जिसे सभी पुलिस स्टेशनों में कड़ाई से पालन किया जाएगा। पासपोर्ट वेरिफिकेशन प्रक्रिया की खुद उपायुक्त और एसपी निगरानी करेंगे।

❑ पासपोर्ट वेरिफिकेशन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे पुलिस अधीक्षक : जावेद शमीम

इस दौरान, राज्य के एडीजी (कानून व्यवस्था) जावेद शमीम ने भी डीजीपी राजीव कुमार की चिंताओं को दोहराते हुए कहा कि राज्य पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है कि किसी भी चरमपंथी को भारतीय पासपोर्ट न मिले। शमीम ने यह भी बताया कि पुलिस सीमा के पास वाले क्षेत्रों में एक निश्चित दूरी तक जा सकती है और हमारी टीम सभी एजेंसियों के साथ समन्वय में काम कर रही है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी को भी बंगाल से फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके पासपोर्ट नहीं मिले। आने वाले दिनों में पुलिस फर्जी पासपोर्ट बनाकर घुसपैठ रोकने के लिए पुलिस पासपोर्ट वेरिफिकेशन प्रक्रिया की जांच को मजबूत करेगी और पुलिस अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से पासपोर्ट वेरिफिकेशन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे।

आज मुख्यमंत्री ममता का संदेशखाली दौरा, सरकारी परियोजनाओं की राशि का करेंगी हस्तांतरण

ममता के दौरे के अगले दिन शुभेंदु अधिकारी भी जाएंगे संदेशखाली, प्रशासन अलर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नए साल से पहले आज उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली के प्रशासनिक दौरे के बाद अगले ही दिन यानी 31 दिसंबर को राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी वहां के दौरे पर जाएंगे। शुभेंदु अधिकारी पार्टी के जनसंपर्क अभियान के तहत संदेश-खाली जाएंगे। पता चला है कि ममता द्वारा हाल में 30 दिसंबर को संदेशखाली जाने की घोषणा के बाद ही शुभेंदु ने वहां जाने की योजना बनाई है। इसे लेकर भाजपा कार्यकर्ता सांगठनिक स्तर पर तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी स्थिति में वहां सुरक्षा चाक- चौबंद की जा रही है। विशेषकर मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस प्रशासन इस बात को लेकर सतर्क है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो और इलाके में शांति बहाल रहे। तय कार्यक्रम के अनुसार, सोमवार की दोपहर 1 बजे से संदेशखाली के ऋषि अरबिंदो मिशन मैदान में होने वाले सरकारी कार्यक्रम में ममता लगभग 20 हजार लाभुकों को लक्ष्मी भंडार और बांग्लार बाड़ी परियोजना के तहत राशि का ऑनलाइन हस्तांतरण करेंगी। इसमें संदेशखाली व आसपास के क्षेत्र के कुछ लाभुकों को वह अपने हाथ से चेक व प्रतीक चिह्न प्रदान प्रदान करेंगी।

अभिषेक बनर्जी ने मनमोहन सिंह के निधन पर 'चुप्पी' को लेकर खेल, फिल्मी हस्तियों की आलोचना की

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को खेल और फिल्म क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की आलोचना करते हुए दावा किया कि वे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के मामले में चुप्पी साधे रहे। सिंह को भारत के 'महानतम राजनेताओं' में से एक बताते हुए अभिषेक बनर्जी ने यह दावा भी किया कि खेल और फिल्म बिरादरी की 'पूरी तरह चुप्पी' की वजह सरकार का डर हो सकती है। तृणमूल सांसद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अक्सर 'रोल मॉडल' मानी जाने वालीं खेल और फिल्म उद्योग की

प्रमुख हस्तियों को पूरी तरह चुप्पी साधे हुए देखना चौंकाने वाला और निराशाजनक है। डॉ. सिंह के निधन पर शोक जताने में अनिच्छा उनकी प्राथमिकताओं, जिम्मेदारी और ईमानदारी के बारे में असहज कर देने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस चुप्पी की वजह सरकार का डर है क्योंकि राष्ट्रीय मुद्दों पर चुप रहना इनमें से कई तथाकथित हस्तियों की आदत बन गई है। अभिषेक ने कहा कि यह कोई नहीं बात नहीं है। उन्होंने कहा कि ये वही व्यक्ति हैं जो किसानों के विरोध प्रदर्शन, सीएए-एनआरसी आंदोलन और मणिपुर में जारी संकट को लेकर मूक बने रहे हैं। तृणमूल सांसद ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि उन्होंने आम लोगों से मिले प्रेम का लाभ उठाकर अपनी संपत्ति बनाई और प्रसिद्धि हासिल की, फिर भी जब देश को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वे नैतिक रुख अपनाने से भी कतराते हैं।

एमएलए हॉस्टल के नियम में बदलाव, कमरों के लिए सात दिन पहले करना होगा आवेदन

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार एमएलए हॉस्टल के गेस्ट हाउस में ठहरने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने जा रही है। एमएलए हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है। ज्ञात हो कि विधायकों की अनुशंसा पर भी गेस्ट हाउस के कमरों के आवंटन में और सख्ती की जा रही है। राज्य विधानसभा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब जो लोग विधायकों के अनुशंसा पत्र के साथ हॉस्टल गेस्ट हाउस में रुकेंगे, उन्हें कम से कम सात दिन पहले आवेदन करना होगा। कमरों का आवंटन अतिथियों द्वारा लाए गए अनुशंसा पत्र एवं अन्य दस्तावेजों की उनकी संतुष्टि के अनुसार गहन जांच के बाद ही किया जाएगा। यदि कोई बेईमानी के उद्देश्य से मकान किराए पर लेता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ममता पुलिस ने इस बार अपनी हदें पार कर दी हैं : शुभेंदु अधिकारी

✒ तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या के आरोप में ओडिशा से नंदीग्राम के दो लोगों की गिरफ्तारी पर उठाए सवाल

कोलकाता, समाज्ञा : नेता प्रतिपक्ष व नंदीग्राम से भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मेदिनीपुर जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र में हाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की हुई कथित हत्या के सिलसिले में राज्य पुलिस द्वारा ओडिशा के एक होटल से अपने क्षेत्र के दो लोगों को गिरफ्तार करने पर सवाल उठाते हुए रविवार को ममता सरकार व पुलिस को घेरा। शुभेंदु ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए आरोप लगाया कि ममता पुलिस ने इस बार अपनी सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने लिखा कि सभी प्रोटोकॉल और कानून की उचित प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए वे (बंगाल पुलिस) ओडिशा के बालासोर गए, एक होटल में घुस गए

और मेरे नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र के दो लोगों का अपहरण कर लिया। न तो उन्होंने कोई गिरफ्तारी वारंट पेश किया और न ही उन्होंने स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय किया। शुभेंदु ने इस घटना में एफआइआर दर्ज करने के लिए ओडिशा पुलिस का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि चूंकि, यह मामला अंतर-राज्यीय पुलिस मानदंडों और नियमों से जुड़ा है, इसलिए मैं ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से अनुरोध करता हूं कि कृपया इसकी जांच सीबीआइ को सौंप दें। शुभेंदु ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में ओडिशा के सीएम के अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से फोन पर भी बात की है और जांच सीबीआइ को सौंपने का अनुरोध किया है। उन्होने आगे लिखा कि अब समय आ गया है कि ममता पुलिस को यह एहसास हो कि उन्हें टीएमसी के गुंडों की तरह नहीं बल्कि एक अनुशासित बल के रूप में काम करना चाहिए। शुभेंदु ने दावा किया कि तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या के आरोप में नंदीग्राम क्षेत्र के जिन दो लोगों को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है वे इलाज कराने बालेश्वर गए थे।

कटाव के कारण गंगासागर मेले में बंद रहेंगे घाट 2 और 3

कोलकाता, समाज्ञा : गंगासागर मेले के दौरान कटाव के कारण इस बार दो समुद्र तट (समुद्र तट संख्या 2 और 3) तीर्थयात्रियों के लिए बंद रहेंगे। हालांकि, दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने मकर संक्रांति के अवसर पर नंबर एक समुद्र तट पर तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए नए बुनियादी ढांचे को विकसित करने की पहल की है। मुख्य मेला मैदान से काफी दूरी पर स्थित, यह समुद्र तट वर्तमान में अच्छी स्थिति में है और अपेक्षाकृत कम भीड़भाड़ वाला है। इसलिए, श्रद्धालुओं के स्नान के लिए इसे सजाने का काम शुरू हो गया है। नए समुद्र तट के निर्माण में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखा जा रहा है। नए समुद्र तट को कई सावधानियों के साथ आम जनता के लिए खोला जाएगा। प्रशासन को उम्मीद है कि तीर्थयात्री इस समुद्र तट पर पवित्र स्नान करके संतुष्ट होंगे। नंबर एक समुद्र तट पर नए बुनियादी

ढांचे का निर्माण जोरों पर चल रहा है। सुरक्षा और रोशनी के लिए समुद्र तट पर एंटी फॉग लाइटें लगाई जाएंगी। इसके अलावा विद्युत वितरण कंपनी एवं लोक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के माध्यम से पूरे क्षेत्र को विद्युतीकरण के दायरे में लाया जा रहा है। मेला मैदान को रोशन करने के लिए अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था भी की जा रही है। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए समुद्र तट पर शौचालयों का निर्माण और पर्याप्त मात्रा में पीने के पानी के पाउच उपलब्ध कराने की पहल की गई है। मेले के दौरान सुचारू प्रबंधन के लिए बिजली एवं पानी संबंधी सेवाओं का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जाएगा। दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन को उम्मीद है कि इस नए समुद्र तट का बेहतर बुनियादी ढांचा तीर्थयात्रियों के लिए स्नान के लिए इसे और अधिक आकर्षक बना देगा और भीड़ प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस तरह की पहल से श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति के स्नान में एक नया अनुभव होगा। गंगासागर मेले के आयोजन के प्रभारी एक अधिकारी के शब्दों में, हालाँकि इस बार कुंभ मेला प्रयागराज में आयोजित किया गया है, लेकिन हम मानते हैं कि हर बार गंगासागर में स्नान करने के लिए आने वाले लोगों की संख्या वही होगी। हालांकि, कटाव के कारण नष्ट हो चुके दो समुद्र तट अब तीर्थयात्रियों को पवित्र स्नान के लिए नहीं भेजेंगे। नए वैकल्पिक समुद्र तट कई अध्ययनों के बाद ही बनाए जाते हैं। यह समुद्रतट नहाने के लिए बहुत सुरक्षित है।

रील बनाने के दौरान किशोरी के गले में अटका फंदा, मौत

कोलकाता, समाज्ञा : एक किशोरी ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करते हुए फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक लड़की का नाम राखी बर्मन, उम्र 16 साल है। घर नदिया के कालीगंज थाना अंतर्गत भरतपुर गांव में है। मालूम हो कि बच्ची अपनी दादी के साथ रहती थी। पापा, मम्मी, दादा काम के सिलसिले में जयपुर में रहते हैं। मालूम हो कि रील्स करते समय उन्होंने घर पर गले में रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, किशोरी हर दिन रील बनाता था। वह हर दिन की तरह वही काम कर रहा था। अचानक जब उसकी दादी उसे बुलाने आई तो उसने उसे रस्सी से लटका पाया। घर के लोगों ने तुरंत कालीगंज थाने को सूचना दी और पुलिस ने शव को बरामद कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला शक्तिनगर अस्पताल भेजा जा चुका है।

बारासात मे तालाब में तीन बोरों में मिले मानव शरीर के कटे अंग

कोलकाता, समाज्ञा : बारासात नगरपालिका के वार्ड 35 में एक तालाब से रविवार की सुबह पुलिस ने तीन बैग बरामद किए जिसमे मानव के कटे अंग थे। स्थानीय लोगों को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि वह बैग किसने और किसने तालाब में फेंका है। प्लास्टिक के बैग के अंदर से बदबू आने के कारण स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैग बरामद किया। जब प्लास्टिक के बोरे खोले गए तो सभी हैरान रह गए। बोरों से मानव शरीर के अंग मिले। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हृदयपुर इलाके में एक न. बंगाल केमिकल से सटे तालाब में तीन-चार दिनों से कुछ बोरे तैरते दिखे। स्थानीय लोगों को

इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि इन बैगों को किसने और क्यों तालाब में फेंका है। पुलिस के गोताखोरों ने तालाब से इन बोरियों को निकाला तो इनमे मानव अंग मिले। मामले पर पुलिस का मानना है कि रात के अंधेरे में किसी ने बोरियां तालाब में फेंक दी है। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। मानव शरीर के अन्य अंगों की भी तलाश शुरू की गई है। मिले शव के टुकड़ों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का मानना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस रहस्य के कुछ पहलू सामने आ सकेंगे। माना जा रहा है कि कहीं और जगह पर हत्या कर शव को धारदार हथियार से काटकर प्लास्टिक बैग में पैक कर तालाब में फेंक दिया गया है।

घुटियारी शरीफ से हेरोइन कारोबारी गिरफ्तार, करीब 300 ग्राम हेरोइन बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : चोरी छिपे हेरोइन की तस्करी की जा रही थी। खबर पुलिस तक पहुंची। तभी जांचकर्ताओं ने इसे नकली बना दिया। भारी मात्रा में हेरोइन के साथ एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। यह ऑपरेशन दक्षिण 24 परगना के घुटियारी शरीफ के मखलतला इलाके में चलाया गया। गिरफ्तार शख्स का नाम सैफुद्दीन लस्कर है। उसके पास से करीब 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सैफुद्दीन लश्कर नाम का शख्स हेरोइन डीलर के तौर पर जाना जाता है। शनिवार की रात उसे घुटियारी शरीफ के मखलतला इलाके में देखा गया था। पुलिस को हेरोइन तस्करी की आशंका की भी सूचना थी। पुलिस भी इलाके में इंतज़ार कर रही थी। उसे पकड़कर तलाशी ली गई। उसके पास एक स्कूल बैग था। जब उस स्कूल बैग की तलाशी ली गई तो हेरोइन निकली। शख्स को बामल पुलिस स्टेशन ले जाया गया। गिरफ्तार लोगों के पास से करीब चार हजार रुपए नकद बरामद किए गए। दो मोबाइल फोन बरामद किए गए।

हेरोइन को बेचने के लिए घुटियारी शरीफ ले जाया जा रहा था। पुलिस को शुरुआती जांच में यह बात पता चली। रविवार को आरोपी को अलीपुर कोर्ट ले जाया गया। न्यायाधीश ने उसे सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर और जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है।

बनगांव में बांग्लादेशी सिम कार्ड बरामद, गिरफ्तार महिला

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश में स्थिति अब भी शांत नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल सीमा से आतंकियों की घुसपैठ का खतरा बढ़ता जा रहा है। इस बीच सीमावर्ती इलाकों से कई बांग्लाद-ेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। ऐसे में बनगांव-बघड़ा सीमा क्षेत्र से बांग्लादेशी सिम बरामद किया गया। यह घटना में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। उसे कई बांग्लादेशी सिम कैसे मिले? जांचकर्ता अभी इसी बारे में सोच रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार शख्स का नाम रहीमा खातून मंडल है। घर बनगांव थाना क्षेत्र के चंदा रायपुर इलाके में है। महिला बीती रात ऑटो से

बगदा से बनगांव अपने घर लौट रही थी। हेलेंचाबाजार के सामने पुलिस चेकिंग कर रही थी। ऑटो को रोका गया और महिला के सामान की तलाशी ली गई। उसके पास से सैकड़ों प्रतिबंधित याबा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस उसे गिरफ्तार कर बगदा थाने ले गयी। आगे खोजबीन करने पर तीन बांग्लादेशी सिम कार्ड निकले। उसके पास से छह और भारतीय सिम कार्ड भी मिले। उसे वह बांग्लादेशी सिम कैसे मिला? इतने सारे सिम कार्ड लेकर वह कहां जा रहा था? क्या ये सिम कार्ड उस महिला के जरिए किसी और तक तस्करी कर पहुंचाए जा रहे थे? कई सवाल उठने लगे। पुलिस ने महिला के बारे में अधिक जानकारी हासिल करना शुरू कर दिया है। क्या परिवार का कोई सदस्य किसी गिरोह में शामिल है? इसकी भी जांच की जा रही है। रविवार को महिला को कोर्ट में पेश किया गया। न्यायाधीश ने उसे पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया।

एबीटी की मदद से पूर्वोत्तर में आंतकी गतिविधियां शुरू करना चाहती है आइएसआई

जेएमबी द्वारा तैयार की गई जमीन के सहारे ही आगे बढ़ रहा हैं एबीटी

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय खुफिया एजेंसी सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आ-इएसआई आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) की मदद से पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में आंतकी गतिविधियां शुरू करना चाहती है। पिछले कुछ दिनों में असम व बंगाल पुलिस द्वारा आतंकियों की गिरफ्तारी से यह तथ्य साफ सामने आया है। दरअसल एबीटी आतंकी संगठन जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) द्वारा तैयार की गई जमीन के सहारे ही आगे बढ़ रहा है। अक्टूबर, 2014 में बंगाल के पूर्व बर्दवान जिले के खागरागढ़ में हुए भीषण विस्फोट की घटना के बाद बंगाल में जेएमबी का अस्तित्व सामने आया था। इस घटना में दो आतंकियों की मौत हो गई थी, जबकि कुछ घायल हो गए थे। जेएमबी के भीतर इस बात को लेकर विवाद था कि क्या केवल बांग्लादेश और बंगाल को लेकर ग्रेटर बांग्लादेश बनाया जाएगा या फिर ग्रेटर पाकिस्तान की विचारधारा को आगे बढ़ाया जाएगा। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान समर्थकों ने जेएमबी छोड़ दिया और नया जेएमबी बनाया, जिसे एबीटी कहा गया। खुफिया सूत्रों के अनुसार पूर्व जेएमबी नेताओं ने धीरे-धीरे जमीन खो दी और एबीटी बढ़ता रहा। खुफिया जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश में अस्थिरता का फायदा उठाकर आइएसआई ढाका में सक्रिय है। बंगाल में पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ के बाद पता चला कि उनका मकसद अवैध रूप से बांग्लादेश पहुंचना था। सूत्रों के मुताबिक एबीटी के आंतकी संगठन के विस्तार के लिए युवाओं का ब्रेनवाश कर रहे हैं। इसके लिए मदरसों का भी सहारा लिया जा रहा है।

बंगाल को गलियारे के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं आतंकी संगठन

केंद्रीय खुफिया एजेंसी सूत्रों के मुताबिक आतंकी संगठन बंगाल को गलियारे के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। वे अपनी विध्वंसक कार्रवाईयों को अंजाम देने के उद्देश्य से बंगाल, असम और त्रिपुरा की सीमाओं के पार भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकियों को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारत में सक्रिय आतंकियों से संवाद करने के लिए ढाका में एक नया बेस बनाया गया है। दरअसल बंगाल की बांग्लादेश से 2,217 किमी लंबी सीमा लगती है। प्राकृतिक कारणों से सीमा के कई स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी करना भी मुश्किल है। आतंकी संगठन इसका फायदा उठा रहे हैं। कई खुफिया एजेंसियों से रिपोर्ट मिलने के बाद भारत सरकार अब असम, मेघालय और त्रिपुरा के साथ बंगाल में बांग्लादेश सीमा पर निगरानी और चौकसी कड़ी कर रही है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥

www.samagya.in

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

कई दिनों की मशक्कत के बाद आखिरकार बाघिन 'जीनत' को वन कर्मियों ने किया काबू

बेहोशी की दवा देकर किया गया काबू, बाघिन पूरी तरह स्वस्थ

कोलकाता, समाज्ञा : ओडिशा के सिमलीपाल जंगल से भटक कर झारखंड के रास्ते करीब आठ दिन पहले बंगाल पहुंची बाघिन जीनत को आखिरकार कई दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद वन कर्मियों ने काबू में कर लिया है। राज्य वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बाघिन को बांकुड़ा जिले के गोप-ालपुर जंगल में रविवार की दोपहर में बेहोशी की दवा देकर काबू में करने में सफलता मिली। अधिकारी के अनुसार, बाघिन पूरी तरह स्वस्थ है। काबू में करने के बाद उसे पिंजरे में डालकर पुनर्वास केंद्र ले जाया गया है। बता दें कि ओडिशा के जंगल से भटककर बाघिन के बंगाल के जंगलमहल क्षेत्र में दाखिल होने के बाद से पिछले कई दिनों से लोगों के बीच आतंक का माहौल था। पुरुलिया जिले से बांकुड़ा में दाखिल होने के बाद पिछले 24 घंटे से बाघिनी गोपालपुर जंगल में डेरा डाली थी। बंगाल के मुख्य वन्यजीव वार्डन देबल राय ने कहा कि शनिवार की रात में जाल से घेरने के बाद मध्यरात्रि में बेहोशी की दवा दी गई थी लेकिन बार-बार दवा देने के बाद

भी वह बेहोश नहीं हो रही थी। कुछ आराम देने के बाद पशु चिकित्सकों द्वारा रविवार दिन में स्थिति की जांच करने के बाद बाघिन को बेहोश करने के प्रयास फिर से शुरू किए गए और आखिरकार उसे काबू में करने में सफलता मिली। बाघिन को पकड़ने के लिए 30 से ज्यादा वन कर्मियों की एक विशेष टीम बनाई गई थी। बांकुड़ा व पुरुलिया ही नहीं बल्कि सुंदरवन और ओडिशा से भी विशेषज्ञ वन कर्मियों की टीम को उसे काबू में करने के लिए बुलाया गया था। उसी गतिविधियों पर ड्रोन से भी नजर रखी जा रही थी। उल्लेखनीय है कि सिमलीपाल से भटककर जीनत झारखंड के रास्ते बंगाल पहुंची थी और तीन दिन तक जंगलमहल क्षेत्र के झाड़ग्राम तथा पश्चिमी मेदिनीपुर जिलों में घूमने के बाद वह पुरुलिया पहुंची। जीनत ने 27 दिसंबर को पुरुलिया के बंदवान से लगभग 15 किलोमीटर का सफर तय कर मानबाजार ब्लाक के जंगल में शरण ली थी, जहां वह 24 से 26 दिसंबर के बीच छिपी हुई थी। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि सिमलीपाल छोडऩे के बाद नए इलाके की तलाश में बाघिन ने बंगाल, झारखंड और ओडिशा के जंगलों में घूमते हुए 120 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है।

सीबीएसई से मुंह मोड़ रहे छात्र, राज्य बोर्ड पर बढ़ा झुकाव

20 हजार से अधिक छात्रों ने लिया बंगाल बोर्ड में एडमिशन

कोलकाता, समाज्ञा : छात्रों में ऑल इंडिया बोर्ड से स्टेट बोर्ड की ओर लौटने का रुझान बढ़ रहा है। दसवीं कक्षा पास करने के बाद सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के कई छात्र राज्य के सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त या सहायता प्राप्त स्कूलों में 11वीं में प्रवेश लेते हैं। उच्च माध्यमिक शिक्षा संसद से मिली जानकारी के अनुसार लंबे समय से शिकायत आ रही थी कि राज्य के बांग्ला माध्यम स्कूलों से अखिल भारतीय अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है। उच्च माध्यमिक शिक्षा पर्षद के सूत्रों के अनुसार, 2024 में 750,000 से

कुछ अधिक छात्रों ने माध्यमिक विद्यालय उत्तीर्ण किया है। लेकिन देखा जा रहा है कि ग्यारहवीं के लिए 7 लाख 69 हजार से ज्यादा ने रजिस्ट्रेशन कराया है। दूसरे शब्दों में, इस वर्ष 20,000 से अधिक अखिल भारतीय बोर्ड छात्रों को राज्य बोर्ड में प्रवेश दिया गया है। उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष चिरंजीव भट्टाचार्य ने कहा कि पर्षद ने हमेशा शिक्षा प्रणाली को अखिल भारतीय स्तर के अनुरूप आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। भारत में सबसे पहले हमने स्कूल बोर्ड में सेमेस्टर प्रणाली शुरू की। इस नई प्रणाली से आकर्षित होकर, अन्य बोर्डों के छात्र उच्च माध्यमिक शिक्षा पर्षद में शामिल हो गए हैं। ज्ञात हो कि ऑल इंडिया सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा एडमिशन कोलकाता के स्कूलों में मिला है।

धर्मेंद्र सिंह के चौथे पुण्यतिथि पर 2 हजार जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : धर्मेंद्र सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धर्मेंद्र सिंह के चौथे पुण्यतिथि पर जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 2 हजार लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में दक्षिण हावड़ा की विधायिका नंदिता चौधरी, हावड़ा कॉरपोरेशन के चेयरमैन सुजय चक्रवर्ती और सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मिश्रा और सामाजिक कार्यकर्ता अरूप सेनगुप्ता उपस्थित रहे।

शॉपिंग फेस्टिवल से व्यापारी वर्ग खुश, मांगी कई ऐसे फेस्टिवल

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में शॉपिंग फेस्टिवल से व्यापारी वर्ग काफी खुश है। व्यापारी वर्ग को इस तरह के कई फेस्टिवल कराने की मांग है। पश्चिम बंगाल सरकार ने ऐसा किया है पिछले कुछ वर्षों से एक नए प्रकार का अर्थव्यवस्था मॉडल अपनाया गया है, जो उत्कृष्ट, सर्व-समावेशी और टिकाऊ परिणाम दिखा रहा है। उनका कहना है कि एमएसएमई, कारीगरों के बीच एकजुट होकर काम करने को प्रोत्साहन स्टार्ट-अप और खुदरा विक्रेता; परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को वही मिलता है जो वे चाहते हैं। सीडब्ल्यूबीटीए के अध्यक्ष सुशील पोद्दार ने कहा कि बढ़ती जीडीपी का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। एमएसएमई की संख्या बढ़ने से पूरे पश्चिम बंगाल में औद्योगिक संपदाएं आ रही हैं। व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व का आकलन काम कर गया है। राज्य एमएसएमई और उपभोक्ताओं दोनों की सेवा में तेजी लाएगा। वह व्यापारियों को 'का स्तंभ' कहती हैं। बंगाल की अर्थव्यवस्था' की केंद्रित और सार्थक नीति की बात करती है। अर्थव्यवस्था के विकास का यह अनोखा और सर्व-समावेशी मॉडल है। टिकाऊ होने के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों की मदद करना। सीडब्ल्यूबीटीए आसानी के लिए काम करना जारी रखेगा। राज्य में व्यापार और इसकी मजबूती के लिए गतिविधियों का विस्तार सुनिश्चित करें। राज्य में 10 लाख से अधिक व्यापारी हैं। उन्होंने खरीदारी उत्सव और स्वयं सहायता समूह के लिए सराहना की। कारीगरों और एमएसएमई को बड़े दर्शकों के सामने एक साथ लाना था।

बालीटिकुड़ी में सुंदरकांड पाठ आयोजित, सैकड़ों लोगों में महाभोग वितरित

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के बालीटिकुड़ी में बजरंग सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार को आयोजित वार्षिक सुंदरकांड पाठ से माहौल भक्तिमय हो गया। आचार्य सच्चिदानंद ठाकुर की अगुवाई में पंडितों ने पूरे विधि विधान के साथ संगीतमय सुंदरकांड व हनुमान चा-लीसा का दिनभर पाठ किया। आयोजन में इलाके में रहने वाले बड़ी संख्या में हिंदीभाषी सहित सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस बार आयोजन के मुख्य यजमान धनंजय उपाध्याय और पूनम उपाध्याय रहे। समिति के प्रेसिडेंट राज बहादुर शर्मा ने बताया कि हवन व आरती के बाद करीब 800 लोगों में महाभोग प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के प्रेसिडेंट समेत वाइस

प्रेसिडेंट शिवशंकर उपाध्याय, सचिव सीताराम उपाध्याय, कोषाध्यक्ष शंकर मंडल, उप कोषाध्यक्ष शोएब अंसारी के अलावा गणेश बरदिया, वेद प्रकाश शर्मा, प्रकाश शर्मा, पति राम यादव, जटाशंकर शुक्ला, अनिल यादव, अपू पोरेल, विजय गुप्ता, हरिनाथ सिंह व अन्य सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा। मुख्य अतिथि के रूप में तारकेश्वर दूबे व तारकनाथ दूबे उपस्थित रहे। प्रकाश शर्मा ने बताया कि समिति द्वारा सुंदरकांड पाठ के आयोजन का इस बार लगातार तीसरा वर्ष था। विद्वान पंडितों व कलाकारों द्वारा सुंदरकांड की चौपाइयों व भक्तिमय संगीत की शानदार प्रस्तुति पर लोग झूमते दिखे और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

चंडीतला में नहर से नवजात बच्ची का शव बरामद

हुगली, समाज्ञा : हुगली के चंडीतला थाना अंतर्गत बामोंडांगा लोहारपोल इलाके में एक नवजात बच्ची का शव बरामद होने से हड़कंप मच गया। क्षेत्र के निवासिरों को रविवार को चंडीतला में कालाचारा से भगवतीपुर जाने वाली सड़क पर बामोंडांगा लोहारपोल क्षेत्र में नहर के किनारे एक मृत बच्चे का शव मिला। इसके बाद, पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बच्चे का शव कौन छोड़ गया। स्थानीय निवासियों का दावा है कि इस सड़क पर सुबह से लेकर आधी रात तक ट्रैफिक रहता है। देर रात किसी ने शव छोड़ दिया। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आसपास के इलाके में कोई नर्सिंग होम या अस्पताल तो नहीं है।

'बंगाल क्यूब ओपन- 2024' में हितेश भुवालका ने बनाये दो नये राष्ट्रीय कीर्तिमान

हावड़ा, समाज्ञा : 'रूबिक्स क्यूब' की बंगाल क्यूब ओपन प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन हावड़ा के श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम सभागार किया गया जिसमें बांग्लादेश व कोलकाता-हावड़ा व आसपास के क्षेत्रों सहित दिल्ली, असम, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, हरियाणा आदि राज्यों के 60 प्रतियोगियों ने हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभाओं का नायाब प्रदर्शन किया। वर्ल्ड क्यूब एसोसिएशन द्वारा अधिकृत इस क्यूब प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय क्यूब कोच हावड़ा के 18 वर्षीय हितेश कुमार भुवालका ने अपनी प्रतिभा का बेहद शानदार प्रदर्शन करते हुए 5/5 व 6/6 वर्ग में नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित

किया, जबकि 15 विभिन्न वर्गों में भागेदारी करते हुए सर्वाधिक 17 पुरूस्कार भी अर्जित किये। इस प्रतियोगिता के संयुक्त संयोजक मुकुल दास ने बताया कि इस पूरे आयोजन में 15 प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिनमें अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को स्थानीय क्यूब वितरक केंद्र 'द क्यूबोलॉजी' की ओर से लगभग 100 पुरस्कार स्वरुप कूपन कोड, मेडल, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। वर्ल्ड क्यूब एसोसिएशन के प्रतिनिधि पूणे के प्रणव डांडगवल की देखरेख में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में 2/2, 3/3, 4/4, 5/5, 6/6, 7/7, पिरामिक्स, स्क्युब, वन हेंडड, 3/3 ब्लाइंड फोल्डेड, क्लोक, स्कायर वन और मेगामिंक्स आदि स्पर्धाएं आयोजित हुईं। इसके सफल आयोजन में द क्यूबोलॉजी, घुसुड़ीधाम प्रबंधन, 360 डिग्री एम और भुवालका पब्लिसिटी से अतुलनीय सहयोग मिले।

हावड़ा डिवीजन ने शेउराफुली-तारकेश्वर डाउन लाइन पर आर्च ब्रिज का सफलतापूर्वक प्रतिस्थापन किया

हावड़ा, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने शेउराफुली-तारकेश्वर डाउन लाइन पर आर्च ब्रिज नंबर 35 का सफलतापूर्वक प्रतिस्थापन कर इसे अत्याधुनिक आरसीसी बॉक्स ब्रिज में बदल दिया है। 2012 में स्वीकृत यह महत्वाकांक्षी परियोजना, पूर्व रेलवे की सुरक्षित और प्रभावी ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण है। परिसर की कठिन पहुंच के कारण इस प्रतिस्थापन के लिए 10 घंटे के ट्रैफिक और पावर ब्लॉक की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी। यह ब्लॉक 28 दिसंबर 2024 को

रात 11:05 बजे शुरू हुआ और 29 दिसंबर 2024 को सुबह 9:00 बजे समाप्त हुआ। इस दौरान रेलवे के 140 टन के क्रेन का उपयोग कर मौजूदा आर्च ब्रिज को हटाकर 4 स्लैब और 3 बॉक्स वाले आरसीसी बॉक्स ब्रिज को रिकॉर्ड समय में स्थापित किया गया। यह प्रतिस्थापन न केवल लाइन की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा को बढ़ाएगा, बल्कि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर ट्रेनों के संचालन को भी सुगम बनाएगा। इस परियोजना को हावड़ा डिवीजन के इंजीनियरिंग, संचालन, और विद्युत विभागों के बेहतरीन समन्वय और समर्पण का प्रमाण माना जा रहा है, जिन्होंने निर्धारित समय सीमा में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। पूर्व रेलवे अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और विश्वस्तरीय यात्री व माल परिवहन सेवाएं प्रदान करने के अपने मिशन पर दृढ़ है।

नए साल की पूर्व संध्या पर ब्लू लाइन पर छह अतिरिक्त मेट्रो सेवाएं

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो नए साल की पूर्व संध्या मंगलवार को ब्लू लाइन पर मेट्रो यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष छह (3अपऔर 3डाउन) अतिरिक्त सेवाएं चलाएगी। ये विशेष छह अतिरिक्त सेवाएं दक्षिणेश्वर और कवि सुभाष से उपलब्ध होंगी। कवि सुभाष के लिए दक्षिणेश्वर से ये सेवाएँ 21:48 बजे, 22:03 बजे, 22:18 बजे और कवि सुभाष से दक्षिणेश्वर के लिए 21:55 बजे, 22:10 बजे और 22:25 बजे उपलब्ध होंगी। ये तीन अप और डाउन विशेष सेवाएं नए साल की पूर्व संध्या पर 21:40 बजे के बाद दक्षिणेश्वर और कवि सुभाष से 15 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध होंगी। उस दिन, कवि सुभाष और दम दम से ब्लू लाइन पर विशेष रात्रि मेट्रो सेवाएं 22:40 बजे हमेशा की तरह उपलब्ध रहेंगी। उस दिन, ग्रीन लाइन-1, ग्रीन लाइन-2, पर्पल लाइन और ऑरेंज लाइन पर सामान्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

यात्रियों की सुविधा और समयपालन सुनिश्चित करने हेतुल समयबद्ध ट्रेनों को प्राथमिकता

कोलकाता, समाज्ञा : यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समय पर यात्री-हितैषी ट्रेनों का संचालन एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बनी हुई है। ये ट्रेनें हजारों यात्रियों के लिए बेहद जरूरी हैं, जिनमें ऑफिस जाने वाले, छात्र, कारीगर, छोटे व्यापारी और कृषि उत्पादक शामिल हैं। इनमें मुख्य यात्री मार्ग में सियालदह डिवीजन में सियालदह-लालगोला, हसनाबाद, गेदे, बांगांव, रानाघाट, डानकुनी, कल्याणी सीमंता, लक्ष्मीकांतपुर, डायमंड हार्बर, कैनिंग और बजबज सेक्शन शामिल है। हावड़ा डिवीजन में हावड़ा-वर्दवान, कटवा, तारकेश्वर और गोगहाट सेक्शन, आसनसोल डिवीजन में आसनसोल-जसीडीह-वैद्यनाथ धाम, खना-आसनसोल सेक्शन, मालदा डिवीजन में साहिबगंज-भागलपुर-जमालपुर और मालदा-अजीमगंज सेक्शन है। वहीं, यात्री-हितैषी ट्रेनों में सियालदह डिवीजन में 111 ट्रेनें, हावड़ा डिवीजन में 66 ट्रेनें, मालदह डिवीजन में 12 ट्रेनें और आसनसोल डिवीजन में 11 ट्रेनें शामिल है। 15 दिसंबर 2024 तक इन सेवाओं ने 86.90% समयपालन दर (पंक्चुएलिटी रेट) हासिल की गई है, हालांकि सड़क यातायात जाम, लेवल क्रॉसिंग पर देरी, या अस्थायी अव्यवस्था जैसी समस्याओं के कारण 1 से 15 मिनट या अधिक की देरी दर्ज की गई।

क्रॉम्पटन ने डेकोरेटिव वॉल लाइट्स की नई रेंज किया लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने डेकोरेटिव लाइट्स की अपनी नई रेंज, वॉलस्माइल वॉल लाइट सीरीज, लॉन्च की है। यह सीरीज खासतौर पर उन लोगों के लिए बनाई गई है जो अपने घर को खूबसूरत और आकर्षक बनाना चाहते हैं। यह न केवल घर की सजावट को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी, बल्कि इसे एक स्टाइलिश और शानदार स्पेस में बदलने में मदद करेगी। यह सीरीज उनके लिए परफेक्ट है, जो बिना किसी झंझट के अपने घर के अंदरूनी और बाहरी हिस्सों को शानदार बनाना चाहते हैं। वॉलस्माइल लाइट्स कई अलग-अलग आकार और डिज़ाइनों में उपलब्ध हैं, जो हर व्यक्ति की पसंद और जरूरत को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। ये लाइट्स घर के अंदर की दीवारों, गार्डन स्पेस, या फिर कॉरिडॉर को सजाने के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। यह कलेक्शन अब देशभर के क्रॉम्पटन अधिकृत रिटेल आउटलेट्स और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भूल गए अपने धर्म : स्वामी क्षमाराम

हावड़ा, समाज्ञा : आजकल शुद्ध संत मिलना दुर्लभ है। दो तरह के संत मिल रहे हैं। पहला, बाहर से साधु का वेश पहन लिया, कुछ इधर-उधर की बात कर पैसा कमाने लगे हैं, ऐसे पाखंडी संत को कुछ लोग भ्रम से संत मान लेते हैं। वास्तव में, संत वे हैं जो मन, वचन और कर्म में एक जैसे होते हैं साथ ही जो भगवान राम की ओर ले जाते हैं। भगवान राम का चरित्र ही राम कथा है। भगवान शंकर पार्वती से कहते हैं, रामायण का अंत नहीं है। सागर की बूंदों को गिना जा सकता है पर भगवान राम के चरित्र को नहीं। पार्वती भगवान शिव से कहती हैं, आपके मुख से राम कथामृत सुना फिर भी तृप्ति नहीं हुई। मेरे मन एक जिज्ञासा है कैसे भगवान के भक्त गरुड़जी भक्त कागभुशुण्डि से राम कथा सुने? एक भक्त होने के बावजूद कागभुशुण्डि को कौआ शरीर मिला। भगवान शिव ने सब कथा सुनाते कहा भगवान अपने भक्तों

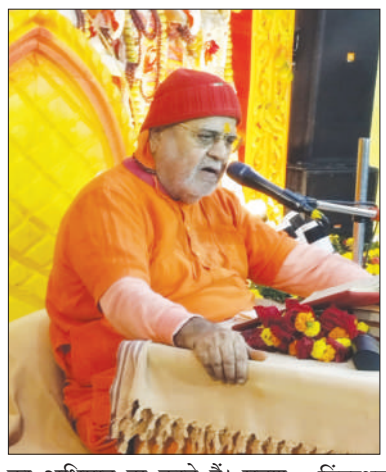

का अभिमान दूर करते हैं। रावण ने जब राम को नाग पाश में बांधा तब नारद जी के कहने पर गरुड़ ने उन्हें बंधन से मुक्त किया था। गरुड़ को इसी बात का अभिमान हो गया था। भगवान शंकर पार्वती से कहते हैं, सत्संग से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं। पार्वती कहती हैं, स्वामी आपके मुख से श्रीराम कथा सुनने के बाद मेरे सारे संशय मिट गए और राम भक्ति मिल गई। जो सत्संग- कथा को स्वीकार करता है, वह बड़ा भाग्यशाली होता है। भजन करो, सोचो, कितना समय बचा है? कलयुग में राम कथा और भगवान के नाम से बड़ा कोई साधन नहीं है। राम कथा कल्पवृक्ष के समान है। ये बातें हावड़ा सत्संग समिति के तत्वावधान में श्री रामचरितमानस का सामूहिक नवान्ह पारायण पाठ के विश्राम दिवस पर सिंहस्थल पीठाधीश्वर महंत क्षमाराम महाराज ने लक्ष्मी विलास गार्डेन प्रागंण में कही। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है, आजकल हम धर्मनिरपेक्षता के नाम पर अपने धर्म और तीज-त्यौहारों को भूल रहे हैं। हमारा नया साल चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है। आजकल लोग 31 दिसम्बर की रात में ही जगकर दूसरे के नये साल का स्वागत करने के लिए पार्टी करते हैं, जश्न मनाते हैं। अपनी मेहनत की कमाई को पानी की तरह बहाते हैं। बहुत मुश्किल से मेहनत करके पैसा कमाते हो, अच्छे काम में खर्च करो। श्रद्धाल-ुओं का स्वागत मनमोहन मल्ल व पवन पचेरिया ने किया। इस अवसर पर रुड़मल पचेरिया, हरिभगवान तापड़िया, केशव प्रसाद बुबना, राजेश बंका, पार्षद मीना पुरोहित, पार्षद विजय ओझा, उमेश राय, राम कथावाचक पुरुषोत्तम तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। मानस पाठ के दौरान धूमधाम से राम-राज्याभिषेक मनाया गया। महावीर प्रसाद रावत ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन किया एवं सूचित किया कि मंगलवार 31 दिसम्बर से मंगलवार 7 जनवरी तक महन्त क्षमारामजी के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन विवेक विहार के क्लब हाउस में होगा।

पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने चलाया सघन टिकट चेकिंग अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा डिवीजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के सक्रिय नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों, कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल की एक समर्पित टीम ने शनिवार को हावड़ा स्टेशन और वहां से चलने वाली कई ट्रेनों पर सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य टिकट नियमों का पालन सुनिश्चित करना, यात्रियों में अनुशासन बढ़ाना और राजस्व हानि को रोकना था। इस दौरान 318 यात्री बिना वैध टिकट यात्रा करते पाए गए। सभी उल्लंघनकर्ताओं से मौके पर ही जुर्माना वसूला गया। इस प्रकार के नियमित टिकट चेकिंग अभियान अनाधिकृत यात्रा को रोकने और यात्रियों को रेलवे के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं। अभियान की सफलता में रेलवे सुरक्षा बल के सक्रिय सहयोग की सराहना की गई, जिनके समर्थन से यह पहल सुचारू रूप से संपन्न हुई। इस तरह के सामूहिक प्रयास रेलवे सेवाओं की विश्वसनीयता को मजबूत करने और जिम्मेदारी का माहौल बनाने में योगदान करते हैं।

हिंदी मेला सांस्कृतिक जागरण का अभियान है

कोलकाता, समाज्ञा : सांस्कृतिक पुनर्निर्माण मिशन की ओर से आयोजित 28वें हिंदी मेला के चौथे वाद-विवाद, काव्य संगीत, लोकगीत, भाव नृत्य, मल्टीमीडिया काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ सुनंदा राय चौधरी, डॉ ममता त्रिवेदी, डॉ इति, विकास साव, श्रीमती रियास्मिता, श्रीमती रीटा दोषी, नृत्यांगना चंद्रिमा भट्टाचार्य,प्रो. एकता हेला,प्रो.मंटू दास बतौर निर्णायक उपस्थित थे। मेले में संस्कृति संगम पत्रिका के लोकार्पण में ब्रिजेश त्रिपाठी, रामनिवास द्विवेदी, महेंद्र प्रसाद,अशोक पाण्डे, शंभुनाथ, मृत्युंजय श्रीवास्तव उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन उत्तम ठाकुर, राहुल गौड़, शशांक गुप्ता, पंकज सिंह, राजेश मिश्र, डॉ. सुमिता गुप्ता, सूर्यदेव राय, अदिति दूबे, शिवानी मिश्र, सपना खरवार, कंचन भगत, सरफराज खान, प्रमोद महतो, चेतना सिंह, लक्खी चौधरी, विकास जायसवाल, दिनेश साव, सुरेश शा, असित पांडे ने विशेष सहयोग दिया। धन्यवाद ज्ञापन मंजु श्रीवास्तव ने दिया।

सम्मेलन के पंच सूत्रीय कार्यक्रम शाखा स्तर से लागू : शिवकुमार लोहिया

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्मेलन सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक में जूम के द्वारा देश के अनेक प्रांतो के प्रतिनिधि भी शामिलहुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सम्मेलन की गतिविधियों के ऊपर में प्रकाश डाला एवं कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज सुधार और संस्कृति संस्कार चेतना ही है। इस विषय में उन्होंने एक विस्तृत दिशा-निर्देश की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सभी प्रांतो से आग्रह किया कि यह कार्यक्रम सभी शाखा स्तर पर लागू होना चाहिए। उन्होंने प्रांतो की गतिविधियों विषय में बताया कि सम्मेलन के मुख्य कार्यक्रम के साथ जुड़ना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि घोषित किए गए पंच सूत्रीय कार्यक्रम पर

जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने स्थापना दिवस पर कोलकाता में आयोजित समारोह की अपार सफलता के लिए सदस्यों को बधाई एवं धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि सभी प्रांतो से भी स्थापना दिवस पालन के समाचार लगातार आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में भी एक नई शाखा खुलने का समाचार आया है। उन्होंने कहा हमे इस सत्र के सम्मेलन का नारा आपनो समाज एक समाज श्रेष्ठ समाज को सफल बनाने के लिए सभी संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से सम्मेलन के सोशल मीडिया से जुड़ने का निवेदन किया। उन्होंने बताया यह हर्ष का विषय है कि सम्मेलन भवन निर्माण संबंधी कार्य मे अग्रगति हो रही है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा ने सुझाव दिया कि सभी प्रांतो को न्यूनतम कार्यक्रम क्रियान्वयन करना चाहिए एवं सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य के अनुरूप अपने गतिविधियों को संचालित करना चाहिए। उन्होंने स्वर्गीय नंदकिशोर जालान की स्मृति में सांगठनिक पुरस्कार के विषय में भी सुझाव दिए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम अवतार पोद्दार ने प्रांतो में चुनाव के विषय में अपने सुझाव दिए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ शिक्षा एवं भवन निर्माण के संबंध में सदस्यों को जानकारी दी। उन्होंने कहा प्रांतो के विकास के माध्यम से ही सम्मेलन का विकास संभव है। उन्होंने वर्तमान सत्र के कार्यक्रमों पर संतोष प्रकट किया।

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने सम्मेलन की गतिविधियों की रपट प्रस्तुत की। राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण राष्ट्रीय दिनेश जैन, राजकुमार केडिया, निर्मल कुमार झुनझुनवाला, मधुसूदन सिकरिया ने विभिन्न प्रांतो की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। प्रांतीय अध्यक्षगण नंदकिशोर अग्रवाल, बसंत मित्तल, राम प्रसाद भंडारी, सीताराम अग्रवाल ने क्रमशः पश्चिम बंगाल, झारखंड तेलंगाना, कर्नाटक की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। दिल्ली प्रांत के सचिव सुंदरलाल शर्मा ने अपनी रपट प्रस्तुत की। पवन गोयनका ने हाल ही में अपनी केरल प्रांत यात्रा के विषय में रपट प्रस्तुत की। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा में डॉ. सुभाष अग्रवाल ,संजय गोयनका पवन बंसल, आत्माराम सोंथलिया, रघ-ुनाथ झुनझुनवाला, जुगल किशोर जाजोदिया, नंदलाल सिंघानिया, नारायण प्रसाद डालमिया, रमेश बंग,विजय गोयल, पवन कुमार गोयनका, विश्वनाथ भुवालका, मोहनलाल बजाज, विकाश खंडेलवाल, ओमप्रकाश खंडेलवाल, पवन टिबड़ेवाल, सुषमा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

क्या माकपा से बढ़ी कांग्रेस की दूरियां?

माकपा ने मुखपत्र गणशक्ति में कांग्रेस को बताया 'गैंगस्टर'!

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल में माकपा और कांग्रेस के बीच दूरियां बढ़ गई है। इसीलिए माकपा पार्टी के मुखपत्र में कांग्रेस को तृणमूल और भाजपा के साथ एक ही ब्रैकेट में रखा गया है? राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल और भाजपा के खिलाफ माकपा का हमला सामान्य बात है लेकिन शनिवार को पार्टी के मुखपत्र गणशक्ति पत्रिका के दूसरे पन्ने पर 'सार्वजनिक रैली में 52 शहीदों की याद' का शीर्षक दिया गया और इसमें तृणमूल और भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस के गुंडों का भी जिक्र किया गया। इसमें लिखा है कि 1959 से 2024 तक संघर्ष में

जिन साथियों को कांग्रेस, तृणमूल और भाजपा के गुंडों के हाथों जान गंवानी पड़ी, उनके कई परिवार इस दिन माकपा और वाममोर्चा के साथ मौजूद रहे। इस राज्य में कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ रही है। हालांकि, चुनावी जंग में माकपा और कांग्रेस के वोट निचले पायदान पर हैं। जब अधीर चौधरी प्रदेश अध्यक्ष थे तब माकपा-कांग्रेस गठबंधन चल रहा था। पिछले छह विधानसभा क्षेत्रों में सीपीएम का कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं हुआ है और खास बात ये है कि शुभंकर सरकार अब प्रदेश अध्यक्ष हैं। उपचुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होने से दूरियों के कयास लगाए जा रहे हैं। माकपा के पूर्वी बर्दवान जिला सम्मेलन को लेकर पार्टी के मुखपत्र की खबर से तृणमूल, भाजपा और कांग्रेस को भी एक ब्रैकेट में रखा गया है। वाम-कांग्रेस गठबंधन ने राज्य में चुनाव लड़ा लेकिन उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। इस साल के लोकसभा चुनाव से भी दोनों पार्टियों के नेतृत्व को काफी उम्मीदें थीं लेकिन पोल के नतीजे बताते हैं कि गठबंधन को इस बार भी मुंह की खानी पड़ी है। कांग्रेस को मालदा से सिर्फ एक सीट मिली। अधीर चौधरी खुद बहरामपुर से हार गए। जानकार वर्ग का मानना है कि लोकसभा चुनाव के बाद भी दोनों पार्टियों के बीच दूरियां बढ़ रही हैं। दोनों दलों ने भविष्य के राजनीतिक संबंधों के प्रति धीमा रुख अपनाया। इसी सन्दर्भ में कांग्रेसियों के बारे में इस शब्द का प्रयोग किया जाता है।

नदिया के सीमावर्ती क्षेत्रों में सीमा पारकर फसल काट ले जा रहे हैं बांग्लादेशी, किसानों ने बीएसएफ से लगाई गुहार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के सीमावर्ती इलाकों में फसल चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। ताजा मामला तेहट थाना क्षेत्र के साहापुर इलाके का है, जहां भारतीय सीमा के अंदर से फसलों की कटाई कर उन्हें चुराने का आरोप बांग्लादेशी लुटेरों पर लगाया गया है। किसानों का कहना है कि कई दिनों से रात के अंधेरे में उनकी फसलों को काटकर चोरी किया जा रहा है। स्थानीय किसानों ने बताया कि गेहूं, सरसों और अन्य फसलों को लुटेरे रात में काटकर ले जा रहे हैं। दिन के उजाले में भी सीमावर्ती खेतों से फसल चोरी की घटनाएं हो रही हैं। सीमा पर कड़ी निगरानी और तारबंदी के बावजूद फसल

चोरी को रोकने में असफलता किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। किसानों ने बताया कि अब खेतों में काम करने के लिए भी उन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को पहचान पत्र जमा करना पड़ता है और तय समय सीमा में वापस लौटना अनिवार्य होता है। बार-बार सीमा क्षेत्र में जाने की अनुमति नहीं दी जाती, जिसके चलते फसलों की निगरानी करना मुश्किल हो गया है।

❑ बीएसएफ की कड़ी कार्रवाई की मांग

किसानों ने बीएसएफ से जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि फसल चोरी पर लगाम नहीं लगाई गई तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। कई सीमावर्ती इलाकों में कंटीले तारों की बाड़ नहीं होने के कारण घुसपैठ और फसल चोरी जैसी घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। नाइट विजन कैमरे और आधुनिक तकनीक का उपयोग करके निगरानी तेज की जा रही है। नदिया के साहापुर समेत अन्य प्रभावित इलाकों में नो मैन्स लैंड में काम करने वाले किसानों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

❑ बीएसएफ और बीजीबी के बीच बैठक की तैयारी

बीएसएफ ने बताया कि इस मुद्दे पर बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) के साथ फ्लैग मीटिंग कर उचित कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि सीमावर्ती सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

बीएसएफ ने सीमा से 8.5 किलो चांदी के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर अंतर्गत 143वीं बटालियन के जवानों ने उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास तस्करी को नाकाम कर 8.5 किलो चांदी के आभूषणों के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। रविवार को एक बयान में बताया गया कि तस्कर इन चांदी के आभूषणों को मोटरसाइकिल के एयरफिल्टर में छिपाकर भारत से बांग्लादेश ले जाने की कोशिश कर रहा था। सीमा चौकी-तराली-1 के जवानों ने हकीमपुर चेकपोस्ट पर नियमित जांच के दौरान शनिवार को उसे दबोचा। जब्त चांदी का बाजार मूल्य 6.17 लाख रुपये है। पकड़ा गया तस्कर सीमावर्ती स्वरूपदाह गांव का ही रहने वाला है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि जवानों ने

मोटरसाइकिल सवार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर उसे तलाशी के लिए रोका। गहनता से तलाशी ली तो उसकी बाइक के एयर फिल्टर और टेल लाइट कैविटी से 8.5 किलोग्राम वजन के चांदी के आभूषण बरामद किए गए। पूछताछ में तस्कर ने बताया कि बिथारी बाजार निवासी एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे यह बाइक दी थी और इसमें कुछ चांदी के आभूषण होने की जानकारी दी थी। बीएसएफ की सीमा रेखा पार करने के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उसे वाहन को चांदी समेत किसी अन्य व्यक्ति को बाइक सौंपना था। इस काम के लिए उसे 1300 रुपये मिलते। पकड़े गए व्यक्ति और जब्त चांदी व बाइक को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, तेंतुलिया को सौंप दिया गया है।

बांकड़ा में डंपिंग ग्राउंड में लगी आग, मची अफरा-तफरी

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के बांकड़ा इलाके के डंपिंग ग्राउंड में अचानक आग लग गई, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग ने तेजी से फैलते हुए आसपास

के इलाके को अपनी चपेट में लिया, और पास में स्थित बस्ती तक पहुंच गई। इससे बस्ती के लोगों में डर का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग के दो इंजन मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। हालांकि, आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में अक्सर नशेड़ी जमा होते हैं, और यह संभावना जताई जा रही है कि आग कहीं से लगाई गई हो। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आग कैसे लगी और इसके पीछे क्या कारण था।

मांग के मुताबिक रंगदारी नहीं मिलने पर पूर्व पार्षद के समर्थकों की पिटाई से दो घायल

गंभीर हालत में दो युवक निजी अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, समाज्ञा : मांग के अनुरूप भुगतान नहीं कर पाने पर बागुईआटी में एक प्रमोटर की पिटाई कर दी गई। घटना में स्थानीय पार्षद शामिल था। घटना स्थल दक्षिण दमदम है। मांगे गए पैसे नहीं देने पर ऑफिस से लौट रहे युवक पर रॉड, हॉकी स्टिक से हमला करने का आरोप है।कठघरे में दक्षिण दम दम नगर पालिका के वार्ड नंबर 13 के पूर्व पार्षद के अनुयायी आ गए है। घायल युवक को गंभीर हालत में निजी अस्प-ताल में भर्ती कराया गया। घटना शनिवार की देर रात की है। दमदम मधुगढ़ में कई युवक ऑफिस से लौट रहे थे। कथित तौर पर दक्षिण दमदम नगर पालिका के वार्ड नंबर 13 के पूर्व पार्षद प्रबीर पाल के एक अनुयायी ने कार्यालय से लौटने के बाद शराब पीने के लिए युवक से पैसे की मांग की। युवक ने पैसे देने से इंकार कर दिया। यह भी आरोप है कि उन्हें आग्नेयास्त्रों, हॉकी स्टिक और रॉड से पीटा गया। इस घटना में सयाना बप्पा, गोपाल घोष, उत्तम घोष, रवि सरदार समेत कई बदमाश शामिल हैं। इन सभी पर पूर्व पार्षदों का अनुयायी होने का आरोप है। इस घटना में श्रीतम चटर्जी और सन्नी सिंह नामक दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सिर पर रिवॉल्वर की बट से वार किया गया था। दोनों के सिर पर कई टांके आए। उन्हें लहूलुहान हालत में बचाया गया। सबसे पहले उन्हें दमदम म्यूनिसिपल हॉस्पिटल ले जाया गया। बाद में उनकी शारीरिक स्थिति बिगड़ने पर उन्हें नागेरबाजार के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। श्रीतम की आंख में गंभीर चोट आयी है। उनकी हालत बेहद नाजुक है। पीड़िता के पिता ने नागेरबाजार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

भेदभाव की राजनीति करती भाजपा : असीमा पात्रा

➨ मंत्री ने भाजपा पर किया तीखा प्रहार

हुगली, समाज्ञा : राज्यधरपुर ग्राम पंचायत के तरफ से रविवार को आयोजित 26वें रक्तदान शिविर में विशेष अतिथि के तौर पर शिरकत करने आयी धनियाखाली विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल विधायक व राज्य की मंत्री असीमा पात्रा ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा विभाजन की राजनीति करती है। भाजपा धर्म समुदाय को बांटने का काम करती है। रक्तदान में कोई विभाजन नहीं। जो लोग विभाजन की राजनीति करते हैं उन्हें जब खून की जरुरत होती है तब वे एक बार भी नहीं पूछते की यह खून किस जाति धर्म का है। उन्हें भी विभिन्न समुदाय के लोगों का रक्त प्राण बचाने के लिए चढ़ाना पड़ता है। ईश्वर ने जब

इंसान बनाया तो कोई विभाजन नहीं किया तो ये लोग कौन है धर्म के नाम पर लोगों को बांटने वाले। सभी धर्म जाति समुदाय के लोग एक साथ सम्मिलित होकर रक्तदान करते हैं। रक्त के पैकेट पर किसी जात, समुदाय धर्म का नाम नहीं रहता वह सिर्फ एक मानव के शरीर निकाला जाता और संकट के समय दूसरे मानव के शरीर में हस्तांतरित किया जाता है। इसलिए इस तरह की घृणित राजनीति से बचना चाहिए।

बहरामपुर में युवा तृणमूल नेता पर फायरिंग

मुर्शिदाबाद : जिले के बहरामपुर टाउन युवा तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष पापाई घोष को लक्ष्य कर शनिवार की रात फायरिंग की गई। हालांकि, बदमाशों का निशाना चूक गया। खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो सका था कि किन लोगों ने गोली चलाई। तृणमूल ने इस घटना के पीछे विरोधी राजनीतिक दलों के गुर्गों का हाथहाथने की आशंका जताई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवा तृणमूल नेता पापाई घोष शनिवार की देर रात चारपहिया वाहन से अपने घर लौट रहे थे। बहरामपुर रिंग रोड होकर घर जाते समय उनकी गाड़ी पर दो राउंड फायरिंग की गई। उस घटना में गाड़ी का पिछला शीशा टूट गया। इस घटना में युवा तृणमूल नेता बाल-बाल बच गये। पापाई घोष के

साथ हमेशा एक निजी सुरक्षा गार्ड रहता है, लेकिन शनिवार को घटना के वक्त उनका सुरक्षा गार्ड उनके साथ नहीं था। बहरामपुर थाने की पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना के पीछे कौन लोग हैं। घटना के संबंध में पापाई घोष ने कहा कि वह राजनीति करते हैं। घटना के पीछे विरोधी राजनीतिक दलों के गुर्गे हो सकते हैं। इलाके में सीसीटीवी कैमरे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर अपराधियों का पता लगा सकती है।

खेल से मोबाइल इंटरनेट की तिलिस्मी दुनिया से दूर होंगे बच्चे : अरिंदम गुइन

हुगली, समाज्ञा : एमएलए फुटबॉल कप 2022 का फाइनल मैच बैद्यवाटी के बीएस पार्क मैदान में संपन्न हुआ। 7 दिवसीय फुटबाल मैच में 8 टीम के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। फाइनल मैच में बीएस पार्क वैधवाटी और भद्रेश्वर की टीम का आमना सामना हुआ। दोनों टीम के बीच कांटे की टक्कर हुई। अंत में खेल ड्रा हुआ। मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा। विजेताओं टीम को पुरस्कृत किया गया। विधायक अरिंदम गुइन ने कहा कि खेल हेल्थ के लिए बेहद जरुरी है। इसके साथ इससे कई मुकाम हासिल किये जा सकते है। आज के बच्चे मोबाइल और इंटेरेट के तिलिस्मी जाल में फंसते जा रहे है इसलिए वे खेलकूद की दुनिया से दूर हो रहे हैं। जिसका सीधा प्रभाव हेल्थ पर पड़ता

है। पढाई के साथ खेल बेहद जरुरी है। खेल से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभावान खिलाडियों की पहचान होती है। राज्य का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होता है। कहा कि फूटबाल बंगाल का सर्वश्रेष्ठ खेल है। लोगों का उत्साह देखकर लगता है कि आने वाले दिनों में नयी पीढ़ी का ध्यान खेल के तरफ आकर्षित होगा। पश्चिम बंगाल के हर जिले में खेल प्रतियोगिया का आयोजन होना चाहिए। मौके पर रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, श्रीरामपुर नगरपालिका के चेयरमैन गिरधारी साहा, बैद्यवाटी चेयरमैन पिंटू महतो समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नकली नोट के साथ दिल्ली में मालदह निवासी युवक गिरफ्तार

मालदह : 500 रुपए के 190 नकली नोटों के साथ मालदा का युवक दिल्ली में गिरफ्तार हो गया। उसे संजय गांधी ट्रांसपोर्ट एरिया से गिरफ्तार किया गया। वह मालदा में प्राचीन वस्तुओं का कारोबार करता है। इसके बाद सवाल उठता है कि क्या देश में नकली नोट के सौदागरों की ताकत बढ़ गई है? मालूम हो कि गिरफ्तार युवक का नाम कौसर अली है। गिरफ्तारी के वक्त पुलिस ने उसके पास से 95 हजार रुपये का नकली नोट बरामद किया। जांचकर्ताओं ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति ने पहले ही नकली नोटों का कारोबार करने की बात कबूल कर ली है। यह भी पता चला है कि कुछ असामाजिक तत्वों के संपर्क में आने के बाद कौसर ने नकली नोटों का कारोबार शुरू कर दिया था। गिरफ्तार युवक से पूछताछ की जा रही है।

दांतन में पलटी बस, 22 यात्री घायल

पश्चिम मेदिनीपुर : यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कम से कम 22 यात्री घायल हो गए। घटना रविवार की सुबह पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दांतन थाने के खंडरुई इलाके में हुई। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस जांच कर रही है कि यह हादसा कैसे हुआ। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस दिन, सुबह में एक निजी बस मोहनपुर से मेदिनीपुर जा रही थी। दांतन थाना क्षेत्र से गुजरते समय बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। यात्री घायल हो गए। मौके पर मौजूद आम लोग बचाव के लिए दौड़ पड़े। एक-एक कर सभी यात्रियों को बचाना संभव हो सका। हादसे की सूचना मिलने के बाद दांतन थाने की पुलिस मौके पर गयी। सबसे पहले घायल यात्रियों को ग्रामीण अस्पताल ले

गये। उनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें पूर्व मेदिनीपुर के एगरा अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। फिलहाल, यात्रियों का वहां इलाज चल रहा है। बताया गया है कि बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि हादसा खराब सड़क की वजह से हुआ। उनकी शिकारत है कि प्रशासन ने लंबे समर से सड़क की मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की है। मालूम हो कि एक साल पहले जब तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी इलाके में बैठक करने आये थे, तो सड़क की मरम्मत की मांग की गयी थी। उस समय जिला प्रशासन ने भी सड़क सुधारीकरण की पहल की थी, लेकिन वह काम पूरा नहीं हुआ।

सोदपुर में क्लब के हिसाब किताब को लेकर सड़क पर दिनदहाड़े दो पक्षों में मारपीट

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना के सोदपुर में क्लब की लेखा बैठक के दौरान अफरा-तफरी की घटना घटी। दोनों पक्ष खु-लेआम भिड़ गए। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। स्थिति से निपटने के लिए पुलिस को उतरना पड़ा। घटना रविवार सुबह पानीहाटी नगर पालिका के वार्ड संख्या 15 के सोदपुर प्रियनगर स्वपन स्मृति संघ में घटी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस दिन, क्लब के सदस्यों की बैठक थी। वहीं क्लब कमेटी ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। फिर जब दूसरा पक्ष अंदर आता है तो बहस शुरू हो गई। दोनों पक्ष उत्तेजित होकर बातें करने लगे। फिर लड़ाई छिड़ गई। क्लब से बाहर निकलते ही सड़क

पर झगड़ा शुरू हो गया। छुट्टी की सुबह इस घटना को लेकर काफी उत्साह था। मारपीट के अलावा कई लोगों के कपड़े फाड़ने का भी आरोप लगाया गया। सूचना मिलने पर खड़दह थाने की पुलिस मौके पर गयी। दोनों पक्षों को परेशानी से दूर रखने का प्रयास किया जाता है। लेकिन शुरुआत में पुलिस के सामने भी विवाद चलता रहा। पुलिस कर्मियों ने दोनों पक्षों को रोकने का प्रयास किया। किसी तरह स्थिति को संभाला गया। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं करायी गयी है। दोनों पक्षों ने थाने जाकर समझौता कर लिया है।

नदिया में नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में युवक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : धानतल्ला पुलिस ने नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार धानतल्ला थाना क्षेत्र निवासी एक नाबालिग पिछले सोमवार को हंसखाली थाना क्षेत्र में अपने एक रिश्तेदार के घर गयी थी। आरोप है कि मंगलवार को मेला देखने जाते समय मोहल्ले के ही एक युवक ने नाबालिग को अकेला पाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। बाद में बुधवार को जब नाबालिग धानतल्ला थाना क्षेत्र में अपने घर लौटी और अपने परिवार के सदस्यों को मामले की जानकारी दी, तो उसके परिवार ने गुरुवार को धनतोला पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई। और उस शिकायत के आधार पर धनतला थाने की पुलिस ने शनिवार रात आरोपी युवक को हंसखाली से गिरफ्तार कर लिया। रविवार को धानतल्ला थाने की पुलिस ने आरोपियों को राणाघाट कोर्ट भेज कर उनकी हिरासत मांगी।

नंदीग्राम में कपड़े की दुकान भीषण आगजनी में जलकर खाक, भारी नुकसान

पूर्व मेदिनीपुर : छुट्टी की दोपहर नंदीग्राम के तेखाली बाजार में भीषण आग लग गई। एक कपड़े की दुकान में आग लग गई। बाज़ार चौक काले धुएं से ढक गया। आसपास के दुकानदार दौड़ पड़े। उन्होंने आग बुझाना शुरू कर दिया। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हालांकि, भारी नुकसान की आशंका है। घटना पूरे बाजार में फैल गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दोपहर के समय एक दुकान में अचानक आग लग गई। इससे पहले कि आप इसे जानें, यह पूरे स्टोर में फैल जाता है। मालिक बाहर आया। दुकान में कपड़े भरे होने के कारण आग तेजी से फैल गई। आग की लपटों में लगभग सारे कपड़े जलकर राख हो गए। माना जा रहा है कि हवा की गति के कारण आग और अधिक फैल गई। अगल-बगल दुकानें होने से इसके आसपास की दुकानों तक फैलने का खतरा रहता है। व्यवसायियों व स्थानीय लोगों ने आग बुझाने में जुट गए। खबर अग्निशमन विभाग को जाती है। इंजन के आने से पहले स्थानीय लोगों ने काफी हद तक आग पर काबू पा लिया। प्राथमिक अनुमान यह है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। मालिक का अनुमान है कि आग से काफी कपड़ों का नुकसान हुआ है। इस आग के बाद बाजार के स्टॉलों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है।

मुर्शिदाबाद में पोल्ट्री फार्म में आग लगने से दो हजार मुर्गियां जलकर राख

मुर्शिदाबाद : जिले के पंचानंदपुर गांव में शनिवार की देर रात एक पोल्ट्री फार्म में आग लगने से करीब हजार मुर्गियां जलकर राख हो गई। पोल्ट्री फार्म के मालिक श्रीमंत घोष ने दावा किया कि इस आग में लगभग दो हजार मुर्गियां जल गईं। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग कैसे लगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, शनिवार की रात करीब 2.10 बजे 10 कट्ठा जमीन पर बने पोल्ट्री फार्म में आग लगा देख दमकल विभाग और प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने के लिए स्थानीय लोगों ने भी दमकल अधिकारियों की मदद की। इस घटना में पोल्ट्री फार्म को काफी नुकसान हुआ है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। पोल्ट्री फार्म के मालिक श्रीमंत घोष ने कहा कि मैंने दो साल पहले यह पोल्ट्री फार्म बनाया था। हमारे और मेरे साझेदार के जरिए ये पोल्ट्री फार्म चलाया जाता था। कल रात करीब 2:30 बजे मैंने अचानक पोल्ट्री फार्म में आग देखी।

श्रमजीवी अस्पताल और पंजाबी बागान टोटो यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में 19वां रक्तदान शिविर आयोजित

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले के पयारापुर इलाके में श्रमजीवी अस्पताल ओर पंजाबी बागान टोटो यूनियन के संयुक्त तत्वधान में 19वां रक्त शिविर का आयोजन हुआ। जिसका संचालन तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष विकास दास और पयारापुर पंचायत के उप प्रधान निमाई मंडल ने किया। रक्तदान शिविर दिवंगत रमा मंडल की स्मृति में हुआ। दिवंगत व भूतपूर्व सांसद अकबर अली खांडेकर की स्मृति में मंच बनाया गया। इस दिन श्रमजीवी अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं के स्वास्थ्य की जांच के बाद 60 लोगों का रक्त संग्रह किया। इसके साथ ही योग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमे हावड़ा-हुगली जिले के सभी उम्र के 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अलग-अलग

तरह से योग प्रदर्शन किया। रक्त दाताओं को उपहार भेंट किया गया। उन्हें प्रमाणपत्र भी दिए गए। विजेत-ाओं को पुरुस्कृत व सम्मानित किया। मौके पर विधायक अरिंदम गुइन, विधायक स्वाति खांडेकर, श्रीरामपुर नगरपालिका के चेयरमैन गिरधारी साहा समेत अन्य मौजूद रहे। निमाई मंडल ने बताया कि रक्तदान जीवन दान है इससे बढ़कर कोई दान नहीं। मानव होने के नाते मानव जीवन की रक्षा करना ही मानव धर्म का पालन करना है। रक्त संकट को दूर करने के लिए हरेक वर्ष इसी तरह से रक्तदान किया जाता है। राज्य की मुख्यमंत्री से उन्हें अनुप्रेरणा मिलती है। बंगाल की भूमि पर कोई भेदभाव नहीं होता। तृणमूल का हरेक सिपाही 365 दिनों तक मानव सेवा में लगा रहता है।

आरपीएफ अधिकारी बनकर मानव तस्करी की कोशिश, एक गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : इस बार रेलवे पुलिस अधिकारी की आड़ में मानव तस्करी की कोशिश की गई है। घटना मुर्शिदाबाद के न्यू फरक्का के नंबर 2 कॉलोनी इलाके की है। शिकायत सामने आते ही प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। रविवार की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति मानसिक रूप से असंतुलित व्यक्ति को क्षेत्र में घसीटने लगा। घटना को देख स्थानीय निवासी दौड़ पड़े। शक होने पर उस व्यक्ति को बुलाया गया और पूरे मामले की जानकारी ली गई। तभी अज्ञात व्यक्ति ने खुद को रेलवे पुलिस बताया। खुद को रेलवे

पुलिसकर्मी बताने वाले शख्स की बातों में काफी असंगति है. फिर उसने स्थिति को संभालने का तर्क दिया, वह आवारा का घर या मोथाबारी। वह उसे वहाँ ले जाकर पहुंचाना चाहता था। उधर, मानसिक रूप से असंतुलित व्यक्ति को हिंदी में बात करते देख स्थानीय लोगों का संदेह बढ़ गया। पूछताछ के बाद पता चला कि वह उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। भीख मांगकर दिन गुजारा। इसके बाद स्थानीय निवासियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। फरक्का थाने की पुलिस ने मौके पर आकर उस व्यक्ति से पूछताछ की। उसकी बातों में असंगति होते ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि उसकी योजना असंतुलित व्यक्ति की तस्करी की थी। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

न्यूज इन ब्रीफ

किशोर की अपहरण के बाद हत्या के आरोप में दोस्त गिरफ्तार

मेरठ (उप्र) : मेरठ जिले के कंकरखेड़ा क्षेत्र में 11वीं कक्षा के एक छात्र के अपहरण और हत्या के आरोप में उसके दोस्त को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के रोहटा रोड निवासी 11वीं कक्षा का 17 वर्षीय एक छात्र शनिवार को कोचिंग में पढ़ने के लिए घर से निकला था। सूत्रों ने बताया कि काफी देर तक घर वापस नहीं पहुंचने पर उसके परिजन ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में शक होने पर छात्र के एक नाबालिग दोस्त को पकड़कर उससे पूछताछ की गयी। उन्होंने बताया कि छात्र के दास्त की निशानदेही पर पुलिस ने लापता छात्र का शव एक कॉलेज के नजदीक गढ़ मार्ग के पीछे एक नलकूप के पास से बरामद किया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया हथौड़ा भी बरामद कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि साथ ही छात्र का स्कूटर, एक एटीएम कार्ड और 4400 रुपये नकद बरामद किये गये हैं। कंकरखेड़ा के थाना प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी ने हत्या क्यों की इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पाली में पति-पत्नी कमरे में मृत पाये गये

जयपुर : राजस्थान के पाली जिले के कोतवाली थानाक्षेत्र में रविवार सुबह पति-पत्नी कमरे में मृत पाये गये। यह जानकारी पुलिस ने दी। थानाधिकारी किशोर सिंह ने बताया कि रामलीला मैदान इलाके में शहीद नगर निवासी घेवर दास (53) और उनकी पत्नी इंद्रा देवी (48) अपने कमरे में मृत पाये गये। उन्होंने बताया कि वे कमरे में अंगीठी जलाकर सोए थे, संभवत: उनकी मौत दम घुटने से हुई है। उन्होंने बताया कि मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि मेडिकल बोर्ड के चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया मौत का कारण अंगीठी के कारण दम घुटना बताया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बलिया में एसडीएम का फर्जी आदेश जारी करने के आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बलिया (उप्र) : बलिया जिले की बांसडीह रोड थाना पुलिस ने उप जिलाधिकारी (एसडीएम) के फर्जी हस्ताक्षर से भूमि पैमाइश का आदेश पारित कर धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उप जिलाधिकारी सदर आत्रेय मिश्र की तहरीर पर शनिवार को बांसडीह रोड थाने में थाना क्षेत्र के उधो दवनी गांव के शिव शंकर यादव के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 319 (2) (धोखे से किसी का रूप धारण करके धोखाधड़ी करना) और 318 (4) (धोखाधड़ी और जालसाजी का अपराध) के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि मिश्र ने आरोप लगाया है कि उन्होंने भूमि की पैमाइश से संबंधित शिव शंकर यादव के 21 मई 2024 के प्रार्थना पत्र का अवलोकन किया, जिस पर उनका पारित आदेश फर्जी है, क्योंकि इस पर किए गए हस्ताक्षर उनके नहीं है।

भदोही में सात वर्षीय बच्ची कमरे में फंदे से लटकी मिली

भदोही (उप्र) : भदोही जिला मुख्यालय के नगर कोतवाली क्षेत्र में रविवार को आत्महत्या के एक संदिग्ध मामले में सात वर्षीय एक बच्ची संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर पर फंदे से लटकी हुई मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) तेजवीर सिंह ने बताया कि बच्ची का शव पूर्वाह्न करीब 11 बजे कमरे के टिनशेड के एक एंगल से साड़ी के फंदे से लटका हुआ मिला। सिंह ने बताया, ''बच्ची के माता-पिता राजमिस्त्री हैं और घटना के समय काम पर गए हुए थे। उसके तीन अन्य भाई-बहन (13, 5 और 4 वर्ष) घर के अंदर थे, जब उसने खुद को कमरे में बंद किया और अपनी जान दे दी।'' उन्होंने बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

विकास कार्यों से क्षेत्र में आया बदलाव, जनता का विश्वास हो रहा कायम: भजनलाल शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन से सर्वांगीण विकास करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए आधारभूत विकास के साथ ही राज्य में जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लक्ष्य समाज के अन्तिम व्यक्ति को राहत पहुंचाते हुए उत्थान और कल्याण सुनिश्चित करना है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जोधपुर और उदयपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एक बयान में कहा कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों की नियमित निगरानी करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिला प्रशासन के साथ नियमित बैठकें करें और विकास कार्यों की प्रगति का फीडबैक भी लें। उन्होंने कहा, ''इन घोषणाओं को धरातल पर क्रियान्वित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट घोषणाओं के विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, भूमि आवंटन एवं प्रगतिरत कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि आमजन के कल्याण एवं क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप जनहित के विकास कार्यों की सूची बनाकर भेजें ताकि इन्हें आगामी बजट में शामिल किया जा सके। मुख्यमंत्री ने विधायकों को मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन, अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना एवं 'खेलो इंडिया अभियान' की तैयारी के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार के कार्यों, योजनाओं, नीतियों एवं उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए।

लखनऊ नगर निगम टीम पर भीड़ ने किया हमला, मामला दर्ज

लखनऊ : लखनऊ की इंदिरा नगर क्षेत्र में अवैध रूप से कूड़ा उठाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही नगर निगम की टीम पर रविवार को कथित तौर पर भीड़ ने हमला कर दिया। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने आरोप लगाया कि हमला करने वाले ''रोहिंग्या'' थे। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''नगर निगम जोन-सात में इंदिरा नगर क्षेत्र में निगम की एक टीम अवैध रूप से ठेलिया में कूड़ा उठाने वाले लोगों पर कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान करीब 250 लोगों की भीड़ ने टीम पर हमला कर दिया और एक महिला कर्मचारी के गले से चेन झपट ली। जब उसे बचाने के लिये उसका वाहन चालक और अन्य कर्मी आये तो उनके साथ भी मारपीट की गयी। महापौर ने कहा, ''मैंने घटना की सूचना देने के लिये पुलिस आयुक्त को फोन किया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राममंदिर में लगायी जाएंगी लिफ्ट

अयोध्या (उप्र) : श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अयोध्या में भगवान राम के मंदिर परिसर में तीन लिफ्ट लगायी जाएंगी ताकि श्रद्धालुओं को पहली मंजिल तक पहुंचने में कोई दिक्कत ना हो। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने शनिवार देर शाम संवाददाताओं से कहा, ''हमने आपको पहले भी बताया है कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर तीन मंजिला है। भूतल पर रामलला विराजमान हैं। पहली मंजिल पर भगवान का दरबार होगा। उसके ऊपर भी एक मंजिल होगी, अभी यह तय नहीं है कि उसमें क्या होगा।'' मिश्रा ने कहा, ''राम दरबार के दर्शन करने वाले लोग सीढ़ियों का उपयोग करके जा सकते हैं। जो लोग ऊपर जाना चाहते हैं लेकिन सीढ़ियों के सहारे नहीं जा सकते, उनके लिए हमने बहुत पहले से परकोटे से मंदिर तक जाने की व्यवस्था की है। मंदिरों के गलियारों को जोड़ने वाला परकोटा बनकर तैयार हो जाएगा। जो लोग दर्शन के लिए ऊपर जाना चाहते हैं, वे मंदिर के पीछे से जाएंगे। वहां लिफ्ट लगाने की व्यवस्था की जा रही है।'' मिश्रा ने कहा, ''जब परकोटा बन जाएगा, तो लिफ्ट लगाई जाएगी। निर्माण एजेंसी लिफ्ट लगाने की व्यवस्था कर रही है। दो लिफ्ट लगाई जाएंगी। एक लिफ्ट बड़े आकार की होगी, जिसका उपयोग व्हील चेयर से आने वाले श्रद्धालु कर सकेंगे। इस तरह से उत्तर दिशा में एक लिफ्ट होगी, जहां से वीआईपी प्रवेश होता है। आने वाले प्रमुख लोगों और संतों के लिए एक छोटी लिफ्ट लगाई जाएगी। इस तरह से परकोटे में तीन लिफ्ट की व्यवस्था की जा रही है।'' मिश्रा के अनुसार, 'परकोटा' मंदिरों के गलियारों को जोड़ता है। अयोध्या में तुलसी उद्यान के पास एक होटल चलाने वाले प्रज्वल सिंह ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा लिफ्ट लगाने का कदम बुजुर्गों और शारीरिक रूप से अक्षम लोगों की मदद के लिए उठाया गया है।

पीलीभीत बाघ अभयारण्य में कछुओं का अवैध शिकार करने के आरोप में दो गिरफ्तार, एक फरार

पीलीभीत (उप्र) : पीलीभीत बाघ अभयारण्य (पीटीआर) के दियोरिया रेंज में कछुओं का अवैध शिकार करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार हो गया। वन विभाग के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार शनिवार शाम को दो संदिग्ध शिकारियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि उनका तीसरा साथी फरार हो गया। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) मनीष सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि नियमित गश्त के दौरान रेंज वन अधिकारी के नेतृत्व में एक टीम ने घुघचाई बीट के कंपार्टमेंट नंबर 16 में एक तालाब के पास दो शिकारियों को पकड़ा। डीएफओ ने कहा, आरोपियों की पहचान रंजीत हलधर और उत्तम बाछड़ के रूप में हुई है। तीसरा आरोपी विश्वजीत हलधर मौके से फरार हो गया। सिंह के अनुसार, अधिकारियों ने गिरफ्तार दो लोगों से सात कछुए बरामद किये। अधिकारी ने कहा कि पकड़े गए लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई और उन्हें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने बताया कि मजिस्ट्रेट ने दोनों आरोपियों को जेल भेजने का आदेश दिया।

उप्र में 2027 के विस चुनावों से पहले मंदिर-मस्जिद विवाद मतदाताओं के ध्रुवीकरण का प्रयास: विशेषज्ञ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी काफी वक्त है, लेकिन यहां की राजनीति की गहराई से समझ रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य में मंदिर-मस्जिद को लेकर बढ़ते हुए विवादों ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को जो धार दी है उससे चुनावी जमीन भी अभी से तैयार होने लगी है। राजनीतिक विश्लेषकों ने हाल ही में हुए उप चुनावों में हिंदू एकता की जमीन तैयार करने में बटेंगे तो कटेंगे जैसे नारों के अहम भूमिका अदा करने की बात कही। उनका कहना है कि इसलिए इन गहराते हुए मंदिर-मस्जिद विवादों के भी अपने चुनावी निहितार्थ हैं। राजनीतिक विश्लेषक राजीव रंजन सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा ,''उपचुनावों में प्रचार के दौरान समाजवादी पार्टी के नारे ''पीडीए'' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के जरिये की गयी जातीय गोलबंदी के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे को देखा गया और नतीजा भी उनके(भाजपा) पक्ष में आया।'' उप्र विधानसभा उपचुनाव में नौ सीटों में सात सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को जीत मिली और सिर्फ दो सीटें सपा के हिस्से में गयीं। रंजन ने कहा कि हाल की घटनाओं से यह संकेत मिलने लगे हैं कि 2027 को लेकर ध्रुवीकरण की प्रक्रिया और तेज हो सकती है। हिंदू संगठनों की ओर से पहले वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग होने का दावा करने और उसके बाद अब संभल, बदायूं, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर जिलों में मस्जिदों में मंदिर के दावे या अरसे से बंद पड़े मंदिरों को खुलवाने की शुरुआत होने से विशेषज्ञों के ऐसे कयासों को बल मिला है। ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग होने के दावे के बाद इसी माह बदायूं की जामा मस्जिद में नीलकंठ महादेव मंदिर होने का दावा करते हुए अदालत में याचिका दायर की गयी है और वहां की स्थानीय अदालत में वाद की विचारणीयता को लेकर जनवरी में सुनवाई होनी है। इस बीच, नवंबर माह में संभल की शाही जामा मस्जिद के हरिहरनाथ मंदिर के दावे को लेकर दायर याचिका पर अदालत के आदेश के बाद सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गयी। राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह के और भी मामले सामने आ सकते हैं और इसका सीधा असर चुनाव पर होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

राजस्थान 2024: राजनीतिक बदलाव का दौर; कोटा में छात्रों की आत्महत्या के कारण राजस्व में कमी

जयपुर : राजस्थान में साल 2024 का लेखा जोखा मिलाजुला रहा। पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा के हाथों में भाजपा सरकार की कमान सौंपे जाने से साल की शुरूआत कुछ आशंकाओं के साथ हुई। कांग्रेस की कहानी भी कुछ नफे और कुछ नुकसान के साथ मिलीजुली रही और इसके साथ ही कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों ने भी देश का ध्यान खींचा। राजस्थान के कोटा में छात्रों के आत्महत्या की बार-बार होने वाली घटनाओं ने देश के कोचिंग हब को एक बड़ा झटका दिया। आत्महत्याओं की घटनाओं से कोचिंग हब की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिला। इसकी सालाना 6,500-7000 करोड़ रुपये की आय घटकर 3,000-3,500 करोड़ रुपये रह गई। कई लोगों ने सवाल उठाया था कि क्या भाजपा द्वारा बहुत कम अनुभव वाले भजनलाल शर्मा पर भरोसा करना और अनुभवी वसुंधरा राजे को हाशिये पर छोड़कर आगे बढ़ना पार्टी और राज्य के लिए नुकसानदेह होगा? कांग्रेस के बारे में भी सवाल थे। ऐसी अफवाहें थीं कि पार्टी के भीतर की कलह के कारण विधानसभा चुनावों में हार हुई और लोकसभा चुनावों में भी इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन साल खत्म होते-होते इनमें से ज्यादातर सवालों के जवाब मिल गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने दृढ़ विश्वास और पार्टी आलाकमान के समर्थन के साथ एक के बाद एक फैसले लिए। उनके नेतृत्व में पार्टी ने उपचुनावों में सात में से पांच सीटें जीतीं। उनकी सरकार ने पेपर लीक मामले में सख्त कार्रवाई की। 28 दिसंबर को हुई साल की आखिरी मंत्रिमंडलीय बैठक में शर्मा सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए नौ जिले और तीन संभागों को यह कहते हुए कि वे न तो व्यावहारिक थे और न ही सार्वजनिक हित में, उन्हें खत्म करने का फैसला किया। राज्य में अब केवल सात संभाग और 41 जिले होंगे।

खालिस्तानियों के समर्थन में 'पोस्ट' करने पर सिख युवक के खिलाफ पीलीभीत में प्राथमिकी दर्ज

पीलीभीत (उप्र) : पीलीभीत में पुलिस ने खालिस्तानियों के समर्थन में फेसबुक पर हथियारों के साथ अपनी तस्वीरें पोस्ट करने के आरोप में एक सिख युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पीलीभीत नगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राजीव कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि आरोपी गुरसेवक सिंह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की जांच की जा रही है। कोतवाली पुलिस के अनुसार, चौकी प्रभारी दीपचंद्र ने शहर कोतवाली पुलिस को इस घटना की लिखित जानकारी दी। शिकायत के आधार पर शहर कोतवाली पुलिस ने आरोपी गुरसेवक सिंह के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

श्रावस्ती (उप्र) : श्रावस्ती जिले के गिरन्ट क्षेत्र में पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी उसके चाचा को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हुआ है। यह जानकारी पुलिस ने दी। श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि गिरन्ट थानाक्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को पांच वर्षीय बच्ची को उसका चाचा स्कूल से बहला-फुसलाकर स्कूल के पीछे ले गया था और वहां ले जाकर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया था। उन्होंने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम की सुसंगत धाराओं में एक मामला दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी पर 15 हजार का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने कहा कि बच्ची की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया। चौरसिया ने बताया कि आरोपी शनिवार रात गिरन्ट थानाक्षेत्र स्थित नेपाल की ओर जा रहे रास्ते पर देवरा नहर पुल के पास मोटरसाइकिल से नेपाल भागने की फिराक में था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी को रोका तो उसने देशी तमंचे से पुलिस दल पर गोलियां चलायीं। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी गोलीबारी के चलते आरोपी के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर बाइक से गिर गया।

मुख्यमंत्री के हाथ में विकास की नहीं बल्कि 'विनाश' की रेखा : अखिलेश यादव

लखनऊ : समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज करते हुए रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री के हाथ में विकास की नहीं बल्कि ''विनाश'' की रेखा है और उनकी सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया है। यादव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''अवैध तरीके से निर्दोषों के घर बुलडोजर से गिराये जा रहे हैं। यह विकास नहीं विनाश है। मुख्यमंत्री जी के हाथ में विकास की रेखा नहीं है, विनाश की रेखा है।'' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार ने विकास का कोई कार्य नहीं किया है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। किसान, नौजवान सभी दुःखी हैं।'' यादव ने आरोप लगाते हुए कहा, ''भाजपा सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए और जनता से जुड़े मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए जगह-जगह खोदाई करा रही है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''मुख्यमंत्री आवास में भी एक शिवलिंग है, वहां भी खोदाई होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि सरकार विज्ञापन देकर दावा कर रही है कि वह निवेशकों के लिए डेढ़ लाख एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर रही है, सरकार के पास जमीन नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, ''अब सरकार किसानों को बर्बाद करने पर तुली है। डेढ़ लाख एकड़ जमीन का अधिग्रहण करना चाहती है। भाजपा सरकार निवेश के नाम पर झूठ बोलकर लोगों को बरगला रही है।'' यादव ने कहा, ''भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश को उधार लेने और कर्ज के बोझ के मामले में नम्बर एक बना रही है। पूरा खजाना खाली कर दिया गया है। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार किसानों को धोखा दे रही है। अभी तक इस पेराई सत्र का गन्ने का मूल्य तय नहीं किया है।''

झारखंड 2024: राजनीतिक रोमांच, उतार-चढ़ाव और आश्चर्यजनक वापसी का वर्ष

रांची : झारखंड में वर्ष 2024 राजनीतिक रोमांच, उतार-चढ़ाव, और आश्चर्यजनक वापसी से भरा रहा। साल की शुरुआत एक बॉलीवुड 'थ्रिलर' की तरह हुई जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली से रहस्यमय ढंग से लापता होने से व्यापक अटकलें लगने लगीं। कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तलब किए गए हेमंत 30 जनवरी को रांची में अपने आधिकारिक आवास में सड़क मार्ग से 1,250 किमी लंबी दूरी तय करने के बाद उपस्थित हुए। उनके इस तरह अचानक सामने आने से हर कोई आश्चर्यचकित रह गया। यह साल के राजनीतिक घटनाक्रम की शुरुआत भर थी। 31 जनवरी को राजभवन में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद हेमंत को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटनाक्रम के चलते झामुमो ने पार्टी प्रमुख शिबू सोरेन के वफादार सहयोगी चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बना दिया। चंपई फरवरी में राज्य के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपना बहुमत साबित कर दिया। हेमंत के कानूनी और राजनीतिक संघर्ष के नाटक के बीच उनकी पत्नी कल्पना सोरेन के रूप में झारखंड के राजनीतिक परिदृश्य में एक नया सितारा उभरना शुरू हुआ। कल्पना ने न केवल पार्टी के भीतर अपनी जगह मजबूत की, बल्कि झारखंड में एक मजबूत ताकत बनकर उभरीं। इस बीच, लगभग पांच महीने जेल में रहने के बाद सोरेन को जून में झारखंड उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी। उनकी रिहाई के कुछ दिन बाद उन्हें झामुमो विधायक दल के नेता के रूप में फिर से चुना गया। जुलाई तक, उन्होंने तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली तथा राज्य की राजनीति में एक प्रमुख ताकत के रूप में अपनी जगह और पक्की कर ली। हेमंत और कल्पना जब ताकत हासिल कर रहे थे, उसी दौरान कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों का पतन भी हुआ, जिनमें हेमंत की भाभी सीता सोरेन भी शामिल थीं। लोकसभा चुनाव से पहले जब वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुईं तो वह सुर्खियों में आ गई थीं। उनका यह दलबदल झामुमो के लिए एक महत्वपूर्ण झटका प्रतीत हुआ, लेकिन सीता की दुमका लोकसभा सीट पर करारी हार से यह जल्द ही खत्म हो गया। वह झामुमो के नलिन सोरेन से हार गईं और बाद में विधानसभा चुनाव में भी हार गईं। इसी तरह, अपने करियर को पुनर्जीवित करने की उम्मीद में भाजपा में शामिल हुईं दिग्गज कांग्रेस नेता गीता कोड़ा को लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान को अतिरिक्त जिले बनाने से लाभ हो सकता है : गहलोत

जयपुर : राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि राज्य को अतिरिक्त जिले बनाने से लाभ हो सकता है। गहलोत का यह बयान राज्य मंत्रिमंडल की शनिवार की बैठक में नौ जिलों के साथ ही तीन नये संभागों को भी खत्म करने के फैसले के एक दिन बाद आया है। गहलोत ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''राजस्थान में और अधिक जिले बनाने की क्षमता है।'' उन्होंने कहा ''मेरा मानना है बहुत दुर्भाग्य पूर्ण निर्णय हुआ है राजस्थान के हित में नहीं हुआ है..दीर्घकाल में भी उचित नहीं है.. मध्यप्रदेश हमसे छोटा राज्य है वहां पर 53 जिले हैं जबकि राजस्थान में अब केवल 41 हैं।'' उन्होंने कहा कि छोटे जिले स्थानीय प्रशासन को सुव्यवस्थित करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा, ''जब जिला मुख्यालय 100-150 किलोमीटर दूर होते हैं, तो लोगों के लिए अधिकारियों से संपर्क करना मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि गंभीर अपराधों के मामले में भी न्याय मिलने में देरी होती है। यदि नये जिले बनाना इतना बुरा फैसला था, तो उन्होंने इसकी समीक्षा करने में पूरा एक साल क्यों लगा दिया? उन्होंने बताया कि जिलों की समीक्षा करने वाले अधिकारी ललित पंवार बाद में भाजपा में शामिल हो गए, जिससे इस निर्णय के पीछे राजनीतिक उद्देश्य का पता चलता है। उन्होंने कहा, अब कई नौकरशाह दावा कर रहे हैं कि नये जिले अव्यावहारिक थे, लेकिन भाजपा उसे एक ढाल के रूप में इस्तेमाल करके हम पर निशाना साध रही है, जबकि वह जानती है कि निर्णय सही था।'' गहलोत ने इन आरोपों को खारिज किया कि नए जिलों की घोषणा चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ के लिए की गई थी। उन्होंने कहा, ''हमने नये जिले बनाने के लिए पूरी तैयारी की और नये जिले घोषित करने से पहले हमने राजस्व ग्राम बनाये। निर्णय जरूरी था।'' वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सेवानिवृत्त अधिकारी की समिति की रिपोर्ट आने से पूर्व ही केवल राजनीतिक दृष्टि से वोट की राजनीति के लिए आनन-फानन में 17 नये जिलों की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, ''इतना ही नहीं, गहलोत ने जिस दूदू को 3 माह पूर्व नगर पालिका बनाने की घोषणा की, उसे सिर्फ अपने चहेतों को खुश करने के लिए 3 माह के बाद जिला बना दिया।'' चतुर्वेदी ने आरोप लगाते हुए कहा, ''पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 5 साल तक सत्ता के संघर्ष में लगे रहे, अपनी सरकार बचाने के लिए होटलों के चक्कर लगाते रहे और चुनावी साल में आने वाली सरकार के लिए चुनौतियां खड़ी करने के लिए बिना किसी योजना के जिलों की घोषणा कर दी।''

कोटा में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत की कमी: जिलाधिकारी

कोटा (राजस्थान) : आईआईटी-जेईई (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-संयुक्त प्रवेश परीक्षा) के लिए छात्रों को तैयार करने को लेकर मशहूर राजस्थान के कोचिंग केंद्र कोटा में 2023 की तुलना में इस साल छात्रों की आत्महत्या के मामलों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। कोटा जिलाधिकारी रवींद्र गोस्वामी ने एक संक्षिप्त साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''पिछले साल की तुलना में इस साल कोचिंग संस्थानों के छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं की दर में 50 प्रतिशत की कमी आई है। आत्महत्या के मामालों को रोकने के प्रयासों के परिणाम के संदर्भ में यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है। हमें उम्मीद है कि यह कमी भविष्य में भी जारी रहेगी।'' रिपोर्ट के अनुसार, कोटा में 2024 में कोचिंग छात्रों की आत्महत्या के 17 मामले सामने आए जबकि 2023 में ऐसे 26 मामले दर्ज किए गए थे। गोस्वामी ने कहा कि आत्महत्या के मामलों में कमी का श्रेय कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए दिशा-निर्देशों के जिला प्रशासन की निगरानी में सख्त अनुपालन को दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानदंडों के आधार पर छात्रावास वार्डन के लिए 'गेट-कीपर' प्रशिक्षण और 'एस-ओएस हेल्प' सेवाओं के कार्यान्वयन ने भी आत्महत्या के मामलों में कमी लाने में योगदान दिया है। गोस्वामी ने कहा कि 'डिनर विद कलेक्टर' और 'संवाद' जैसे आयोजनों के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के छात्रों के साथ नियमित संवादात्मक सत्रों तथा महिलाओं एवं परीक्षार्थी छात्राओं की सुरक्षा के लिए कालिका दस्ते की तैनाती ने यह बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिलाधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस वर्ष 'डिनर विद कलेक्टर' और 'संवाद' जैसे आयोजनों के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के 25,000 से अधिक छात्रों के साथ बातचीत की जिसमें उन्होंने उनकी चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया। बहरहाल, उद्योग से जुड़े हितधारकों ने बताया है कि छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं के कारण हुए नकारात्मक प्रचार, कोचिंग केंद्रों को विनियमित करने वाले नए दिशानिर्देशों और अन्य शहरों में विभिन्न कोचिंग ब्रांड के विस्तार के कारण कोटा में कोचिंग केंद्रों और छात्रावासों का कारोबार धीमा हो गया है।

न्यूज इन ब्रीफ

सबरीमला मंदिर 30 दिसंबर को मकरविलक्कु उत्सव के लिए फिर से खुलेगा

सबरीमला : सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा का मंदिर इस साल के मकरविलक्कु उत्सव के लिए सोमवार को फिर से खुलेगा। मंदिर के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मंदिर शाम 4 बजे मेलशांति एस अरुण कुमार नंबूदरी द्वारा मुख्य पुजारी तंत्री कंडारारू राजीवरू की उपस्थिति में खोला जाएगा। गर्भगृह में अग्निस्थान (आझी) पर औपचारिक रूप से ज्योत जलाए जाने के बाद श्रद्धालु मंदिर के दर्शन कर सकेंगे। इससे पहले, मंदिर को 26 दिसंबर को रात 10 बजे मंडला पूजा के बाद हरिवरासनम के पाठ के साथ ही बंद कर दिया गया था। हजारों लोगों ने मंडला पूजा देखी थी, जो वार्षिक तीर्थयात्रा सीजन के 41-दिवसीय पहले चरण के समापन की प्रतीक है।

उत्तराखंड: पौड़ी में कार खाई में गिरने से पीएसी जवान समेत दो लोगों की मौत

पौड़ी (उत्तराखंड) : जिले के रिखणीखाल प्रखंड में रविवार को एक कार खाई में गिरने से पीएसी जवान समेत दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यहां जिला आपदा प्रबंधन केंद्र ने कहा कि रिखणीखाल-सिद्धखल मार्ग पर बयेला मल्ला गांव के पास कार 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। केंद्र ने कहा कि प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) जवान समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सरकारी वाहन के तौर पर इस्तेमाल की जा रही कार रिखणीखाल की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान डोबरिया गांव के पीएसी जवान दिलबर सिंह (50) और बांगर गांव के जसवीर सिंह (36) के रूप में हुई।

सात अवैध प्रवासियों को दक्षिण दिल्ली से बांग्लादेश वापस भेजा गया

नयी दिल्ली : बांग्लादेश से अवैध तौर पर भारत में घुसे कम से कम सात प्रवासियों को दक्षिणी दिल्ली से वापस उनके देश भेजा गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने शनिवार को बताया कि एक टीम ने फतेहपुर बेरी इलाके में अरजनगढ़ मेट्रो स्टेशन के पास पांच महिलाओं समेत सात बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। उन्होंने बताया कि झुग्गी-झोपड़ियों, श्रमिकों के शिविरों और अनधिकृत कॉलोनियों में छापेमारी की गई, जिसके बाद यहां अवैध तौर पर रह रहे प्रवासियों को पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए दो पुरुषों की पहचान मोहम्मद उमर फारुक (33) और रियाज मियां (20) के रूप में हुई है और पांच महिलाओं को भी पकड़ा गया है। यह सभी बांग्लादेश के रहने वाले हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान बाग्लदेशियों ने बताया कि वे अवैध रूप से सीमा पार करके भारत में घुसे थे और गुड़गांव के राजीव नगर में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन और दस्तावेजों की जांच करने से पता चला कि वे सभी बांग्लादेश के नागरिक हैं। अधिकारी ने बताया कि आवश्यक दस्तावेज तैयार करने के बाद सभी को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरअ-एओ) को सौंप दिया गया।

कश्मीर: गुलमर्ग और पहलगाम में पारा शून्य से नीचे

श्रीनगर : कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम में तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है, जबकि घाटी के बाकी हिस्सों में शीत लहर से मामूली राहत मिली है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में स्कीइंग गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध पर्यटक स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में शनिवार रात पारा शून्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया - जो इस समय के सामान्य तापमान से दो डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने बताया कि कश्मीर के प्रवेशद्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि परमपुर के कोनीबल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

सुरक्षा के मोर्चे पर भारत 'भाग्यशाली' नहीं : राजनाथ सिंह

मऊ (मप्र) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों से आंतरिक और बाहरी दुश्मनों पर पैनी नजर रखने का आग्रह करते हुए रविवार को कहा कि भारत सुरक्षा के मोर्चे पर ''बहुत भाग्यशाली नहीं'' है। वह मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में दो सदी से अधिक पुरानी मऊ छावनी में सैन्य कर्मियों को संबोधित कर रहे थे। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए सिंह ने कहा, ''सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भारत बहुत भाग्यशाली देश नहीं है, क्योंकि हमारी उत्तरी सीमा और पश्चिमी सीमा लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है।'' इंदौर से 25 किमी दूर मऊ छावनी में तीन प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान 'आर्मी वॉर कॉलेज', 'मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग' और 'इन्फैंट्री स्कूल' हैं। इसके अलावा 'इन्फैंट्री म्यूजियम' और 'आर्मी मार्कस्मैनशिप यूनिट' भी है। उन्होंने

सैन्यकर्मियों से कहा, ''हमें आंतरिक मोर्चे पर भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में हम बेफिक्र नहीं हो सकते। हमारे दुश्मन, चाहे आंतरिक हों या बाहरी, हमेशा सक्रिय रहते हैं। इन परिस्थितियों में हमें उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए और उनके खिलाफ़ उचित और समय पर प्रभावी कदम उठाने चाहिए।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने के लिए सेना की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''देश के रक्षा मंत्री के रूप में मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए। जब मैं यहां आया और जिस अनुशासन और समर्पण के साथ आप प्रशिक्षण ले रहे हैं, उसे देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। आपका प्रशिक्षण किसी युद्ध से कम नहीं है।'' उन्होंने कहा कि अनुशासन के इस स्तर को बनाए रखने के लिए समर्पण और दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है। सिंह ने कहा कि वह देश भर में सैन्य प्रतिष्ठानों और छावनियों में साफ-सफाई से प्रभावित हैं। सिंह ने कहा, ''काम के प्रति आपकी लगन मुझे प्रेरित करती है। मैं कह सकता हूं कि सबसे आकर्षक बात है काम के प्रति आपकी लगन और जिम्मेदारी की भावना। यह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।'' इससे पहले, सिंह ने थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के साथ मऊ में डॉ. बी.आर. आंबेडकर के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कैमरून में फंसे 47 में से 11 श्रमिकों को झारखंड लाया गया

रांची : झारखंड सरकार ने रविवार को कहा कि मध्य अफ्रीका के देश कैमरून में फंसे 47 श्रमिकों में से 11 को राज्य में लाया गया है तथा शेष श्रमिकों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास जारी हैं। यह घटनाक्रम राज्य सरकार द्वारा अफ्रीकी देश में फंसे राज्य के 47 श्रमिकों को कथित तौर पर वेतन का भुगतान न करने के आरोप में मुंबई स्थित एक फर्म और कुछ बिचौलियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद सामने आया है। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''कैमरून में फंसे झारखंड के 47 प्रवासी श्रमिकों में से 11 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार राज्य लाया गया। सभी श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा उनके घर भेज दिया गया। शेष 36 श्रमिकों की वापसी भी सुनिश्चित की जा रही है। इस महीने की शुरुआत में श्रम आयुक्त ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह पुलिस थानों में बिचौलियों और नियोक्ताओं के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति धनखड़ को महाकुंभ के लिए आमंत्रित किया

नयी दिल्ली : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर उन्हें अगले साल आयोजित होने वाले महाकुंभ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। प्रत्येक 12 वर्ष पर आयोजित होने वाला महाकुंभ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति धनखड़ को महाकुंभ, 2025 की पट्टिकाएं भी भेंट कीं। राज्य सरकार ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मुलाकात की थी।

यह केंद्र पर है कि वह डल्लेवाल को जबरन धरना स्थल से हटाना चाहता है या नहीं: किसान नेता

चंडीगढ़ : किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनिश्चितकालीन अनशन रविवार को 34वें दिन में प्रवेश कर गया और खनौरी में अन्य नेताओं ने कहा कि वे गांधीवादी तरीके से अपना विरोध जारी रखे हुए हैं तथा यह सरकार पर है कि वह उनके वरिष्ठ नेता (डल्लेवाल) को हटाने के लिए बल प्रयोग करना चाहती है या नहीं। किसान नेताओं का यह बयान डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती न कराये जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा पंजाब सरकार की कड़ी आलोचना किए जाने के बीच आया है। किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित कई मांगों को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए पंजाब-हरियाणा सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। खनौरी सीमा विरोध स्थल पर किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने संवाददाता से कहा, ''हम यह साफ करना चाहते हैं कि केंद्र पहले दिन से ही हमारे आंदोलन को बदनाम करने और दबाने की कोशिश कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की कहानी गढ़ी जा रही है कि किसान जिद्दी हैं। उन्होंने कहा, ''जबकि केंद्र ही ऐसा (जिद्दी) रवैया अपना रहा है, हमारी बात नहीं सुन रहा है और किसानों की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।'' किसान नेता ने कहा, हम गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाकर अपना आंदोलन जारी रखे हुए हैं।

महाराष्ट्र: मूंगफली बेचने वाला निकला 2000 रुपये के नोट बदलने वाले गिरोह का मुखिया, चार गिरफ्तार

नागपुर : कमीशन पर 2,000 रुपये के नोट बदलने में शामिल एक गिरोह की जांच कर रही नागपुर पुलिस ने मूंगफली विक्रेता समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में से एक नंदलाल मौर्य संविधान चौक क्षेत्र में एक ठेले पर मूंगफली और अन्य चीजें बेचता है। संविधान चौक क्षेत्र में रिजर्व बैंक कार्यालय और महाराष्ट्र विधान भवन स्थित हैं। मौर्य 2,000 रुपये के नोट बदलने के लिए गरीब पुरुषों और महिलाओं को कमीशन पर रखता था। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि ये लोग इन नोट को 500 रुपये के नोट से बदलने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अपना आधार कार्ड विवरण देते थे। गिरफ्तार किए गए तीन अन्य आरोपियों की पहचान रोहित बावने (34), किशोर बहोरिया (30) और अनिल जैन (56) के रूप में हुई है जो मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले हैं। माना जा रहा है कि जैन इस अपराध का सरगना है। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। पुलिस को जानकारी मिली थी कि जैन ने विभिन्न स्थानों पर स्थित विभिन्न ''ग्राहकों'' से 2,000 रुपये के नोट एकत्र करने के बाद मौर्य को रैकेट चलाने में शामिल किया। अधिकारी ने बताया, ''जैन ने मौर्य को 2,000 रुपये के 10 नोट को 500. 500 रुपये के नोटों में बदलने के लिए 200 रुपये देने का वादा किया था।'' मौर्य ने संविधान चौक स्थित आरबीआई कार्यालय में जाकर 2,000 रुपये के 10 नोट सफलता-पूर्वक बदले। प्रक्रिया सीखने के बाद, उसने गरीब पुरुषों और महिलाओं को काम पर रखना शुरू कर दिया और उन्हें आरबीआई में बैंक नोट बदलने के लिए प्रतिदिन 300 रुपये का कमीशन देने की पेशकश की। पुलिस ने शनिवार को मौर्य के घर पर छापा मारा और 500 रुपये के 120 नोटों सहित 60,000 रुपये नकद बरामद किए।

न्यूज अपडेट

रोपवे परियोजना के खिलाफ कटरा में लगातार पांचवें दिन बंद

भाजपा विधायक की भूख हड़ताल की धमकी

रियासी/जम्मू : जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के आधार शिविर कटरा के कपाट त्रिकूट पहाड़ियों में प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन के चलते रविवार को लगातार पांचवें दिन बंद रहे। इस दौरान भाजपा के विधायक बलदेव राज शर्मा ने हिरासत में लिए गए लोगों को 24 घंटे में रिहा नहीं किए जाने पर भूख हड़ताल करने की धमकी दी। इस बीच, शहर में पहले हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करने की मांग को लेकर पांच लोगों की भूख हड़ताल जारी है। बंद का आह्वान करने वाली श्री माता वैष्णों देवी संघर्ष समिति ने कहा कि बंद के दौरान कटरा में सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। समिति के बंद के आह्वान के बाद कटरा में लगातार पांचवें दिन दुकानें, रेस्तरां और कारोबारी प्रतिष्ठान बंद रहे और यातायात सड़कों से नदारद रहा। बुधवार को शुरू हुए बंद से कटरा में आम जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जहां वैष्णों देवी गुफा मंदिर के दर्शन करने प्रतिदिन हजारों तीर्थयात्री आते हैं। रविवार को प्रदर्शनकारियों में शामिल हुए शर्मा ने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर हिरासत में लिए गए समिति के सदस्यों को 24 घंटे के अंदर रिहा नहीं किया जाता तो सिलसिलेवार भूख हड़ताल की जाएगी।

केरल में सड़क दुर्घटनाओं में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

कासरगोड/त्रिशूर (केरल) : केरल में रविवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पहली दुर्घटना में दो बच्चों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब दोपहर के समय कासरगोड जिले के पदन्नाक्कडू में एक कार (जिसमें वे यात्रा कर रहे थे) की राज्य सरकार के स्वामित्व वाली केएसआरटीसी बस से टक्कर हो गई। मृतकों में जैनुल रुमान (9) और लेहक जैनबा (12) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए कान्हागढ़ जिला अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य घटना में त्रिशूर जिले के चझुर में मोटरसाइकिल की पिकअप वैन से टक्कर हो जाने से 44 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान त्रिशूर के पुल्लाजी निवासी सोनी के रूप में हुई है। उसके 14 वर्षीय बेटे एंटनी को चोटें आई हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना रविवार सुबह करीब 10:30 बजे हुई। उन्होंने बताया कि दोनों घटनाओं के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज, 30 दिसंबर को घना कोहरा छाए रहने की संभावना

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से दो डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस महीने के औसत तापमान से छह डिग्री अधिक था। मौसम विभाग ने राजधानी में सोमवार को घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में सोमवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18 और 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली में रविवार को शाम चार बजे 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 225 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है, जबकि राजधानी में शनिवार को एक्यूआई 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज किया गया था। दिल्ली के 28 निगरानी स्टेशन में से आनंद विहार, सिरीफोर्ट और विवेक विहार में एक्यूआई 300 से अधिक दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। समीर ऐप के अनुसार, शेष स्टेशन पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 'मध्यम' और 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

प्रणव मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने मांगा कांग्रेस से जवाब, पार्टी के पतन का आरोप

नयी दिल्ली : पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की 'दुखद स्थिति' पर पार्टी के भीतर गंभीर आत्मनिरीक्षण की जरूरत पर जोर देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल का 'पतन' हो चुका है। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अफसोस जताया कि पार्टी की मौजूदा स्थिति और शीर्ष नेताओं के बीच विचारधारा की कमी के कारण कई पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता आज अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। शर्मिष्ठा ने यह सवाल भी उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की कोई बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव

क्यों नहीं पारित किया गया? शर्मिष्ठा ने कहा कि उन्हें बुरा लगा जब उनके पिता के निधन के बाद सीडब्ल्यूसी की कोई बैठक नहीं बुलाई गई। सीडब्ल्यूसी कांग्रेस की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई है। उन्होंने सवाल किया, ''कांग्रेस को इसके लिए जवाब देना होगा। मैं केवल तथ्य बता सकती हूं। लेकिन मैं बस इतना जोड़ना चाहती हूं कि मुझे नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया या ये सरासर लापरवाही थी। इतनी पुरानी पार्टी में क्या परंपराएं हैं?'' शर्मिष्ठा ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''यदि संस्थागत स्मृति लोप हुआ है, यदि राहुल गांधी और उनके आसपास के लोग यह नहीं जानते कि कांग्रेस ने ऐसी पूर्व स्थितियों में किस प्रकार कार्य किया, तो यह अपने आप में कांग्रेस के भीतर गंभीर और दुखद स्थिति है।''

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने भारी बर्फबारी के बाद कश्मीर में बहाली कार्यों की समीक्षा की

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर घाटी में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बर्फबारी के बाद जारी बहाली कार्यों की रविवार को समीक्षा की। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, ''हाल ही में हुई भारी बर्फबारी के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कश्मीर संभाग के विधायकों और उपायुक्तों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।'' उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान बहाली प्रयासों का आकलन किया गया तथा बर्फ हटाने, बिजली व पानी की आपूर्ति बहाल करने, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य आवश्यक सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में विधायकों ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बर्फबारी के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया के लिए अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद थे।

बिहार: पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का निधन

पटना : बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के पूर्व प्रमुख और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार की सुबह पटना में हृदयाघात से निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। उनके परिवार ने बताया कि 74 वर्षीय कुणाल को रविवार तड़के दिल का दौरा पड़ा और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां सुबह करीब आठ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उस समय अस्पताल में उनके बेटे सायन कुणाल और पुत्रवधू एवं समस्तीपुर से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की लोकसभा सांसद शांभवी चौधरी भी मौजूद थीं। बाद में, उनके पार्थिव शरीर को पटना के गुसाईं टोला स्थित उनके आवास पर लाया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठा हुए। शांभवी चौधरी के पिता अशोक चौधरी समेत बिहार के कई मंत्रियों ने श्रद्धांजलि दी। कुणाल के परिवार के सदस्यों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार सोमवार को अपराह्न करीब दो बजे हाजीपुर (वैशाली जिला) में उनके पैतृक स्थान पर होगा। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर शोक व्यक्त किया। राजभवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के पूर्व अध्यक्ष एवं महावीर मंदिर न्यास समिति के संस्थापक सचिव दिवंगत आचार्य किशोर कुणाल के पटना स्थित आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कश्मीर में सामान्य हो रहा जनजीवन, हरियाणा और राजस्थान में कुछ स्थान पर कड़ाके की ठंड

नयी दिल्ली : कश्मीर में सीजन के सबसे भारी हिमपात के एक दिन बाद रविवार से जनजीवन पटरी पर लौटने लगा है। उड़ानों का संचालन फिर से शुरू हो गया है और यातायात के लिए कई सड़कें साफ की जा चुकी हैं। वहीं, पंजाब और हरियाणा में अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई। कल्पा व कुफरी में सबसे अधिक बर्फ गिरी। नारकंडा, केलांग और राज्य के ऊंचाई वाले अन्य स्थानों में भी रविवार सुबह हिमपात हुआ। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई जबकि कई स्थानों पर घना या बहुत घना कोहरा दर्ज किया गया। कुछ स्थानों

पर कड़ाके की ठंड पड़ी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शनिवार के भारी हिमपात के बाद कनेक्टिविटी बाधित होने पर सेवाओं को बहाल करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को तैनात किया था। बर्फबारी शुक्रवार शाम को शुरू हुई और शनिवार तक जारी रही, जिसे हालिया कुछ वर्षों में सबसे भारी हिमपात कहा जा रहा है। रविवार सुबह तक, श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई यातायात फिर से शुरू हो गया था। भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण के अधिकारियों ने पुष्टि की कि सुरक्षा जांच और रनवे मंजूरी के बाद परिचालन सामान्य हो गया।

वर्ष 2024 में सीएए और नये आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन गृह मंत्रालय की प्रमुख उपलब्धि रही

नयी दिल्ली : एक सदी पुराने आपराधिक कानूनों को बदलकर आधुनिक और प्रौद्योगिकी आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली शुरू करने के लिए नए कानूनों का क्रियान्वयन, विवादास्पद संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को लागू करना और मणिपुर में हिंसा को रोकने के लिए कार्रवाई करना, ये कुछ ऐसे प्रमुख कार्य रहे जिनमें वर्ष 2024 में केंद्रीय गृह मंत्रालय व्यस्त रहा। जम्मू-कश्मीर में बिना किसी बड़ी घटना के विधानसभा चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग की सहायता करना तथा नक्सल प्रभावित राज्यों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में हिंसा को कम करना देश के इस महत्वपूर्ण मंत्रालय की अन्य प्रमुख उपलब्धियां रहीं।

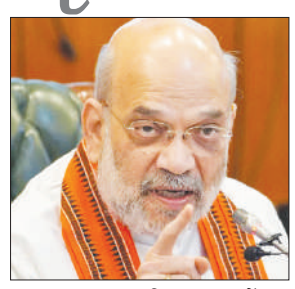

तीन नए आपराधिक कानूनों - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - ने क्रमशः औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लिया। नए कानून एक जुलाई से लागू हो गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि नए कानून न्याय प्रदान करने को प्राथमिकता देंगे, जबकि औपनिवेशिक काल के कानून दंडात्मक कार्रवाई को प्राथमिकता देते थे। उनका कहना था, ''ये कानून भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाए गए हैं और औपनिवेशिक आपराधिक न्याय कानूनों के अंत का प्रतीक हैं।'' नए कानून आधुनिक न्याय प्रणाली पर आधारित हैं, जिनमें 'जीरो एफआईआर', पुलिस शिकायतों का ऑनलाइन पंजीकरण, एसएमएस जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से समन और सभी जघन्य अपराधों के लिए घटनास्थलों की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल हैं। सीएए को इस साल मार्च में लागू किया गया था और मई में कानून के तहत 14 लोगों के पहले समूह को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई थी। सीएए के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से सताए गए ऐसे हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई प्रवासियों को भारत की नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए थे। वर्ष 2019 में कानून बनने के कुछ दिनों बाद ही सीएए को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन जिन नियमों के तहत भारतीय नागरिकता दी जानी थी, वे लगभग चार साल की देरी के बाद 11 मार्च को अधिसूचित किए गए।

भारतीय रेल अपने नेटवर्क को कवच 4.0 से लैस करने को तैयार

मालीगांव, समाज्ञा : भारतीय रेल अपने प्रमुख मार्गों पर उन्नत कवच 4.0 - स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली लगाने के लिए तेजी से अग्रसर है। कवच 4.0 दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रेनों के सुचारू परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल द्वारा विकसित एक व्यापक, प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान है, जो सुरक्षा और नियंत्रण की एक अतिरिक्त परत प्रदान करता है। जिन सभी इंजनों में कवच के निचले संस्करण लगाए गए थे, उन्हें उन्नत कवच 4.0 से प्रतिस्थापित किया जाएगा। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मालदा टाउन से डिब्रूगढ़ तक लगभग 1966 कि.मी. रेल मार्ग को कवच के कार्यान्वयन के लिए चिह्नित की गई है। भारतीय

रेल द्वारा अपने प्रमुख मार्गों पर कवच 4.0 का कार्यान्वयन उसके बुनियादी अवसंरचना के आधुनिकीकरण और सुरक्षा मानकों में सुधार के लिए एक व्यापक पहल है। कवच 4.0 जैसी तकनीक का लाभ उठाकर, कनेक्टिविटी सिस्टम सुचारू संचालन को सुनिश्चित करेगा, मानवीय त्रुटि को कम करेगा और सबसे महत्वपूर्ण रूप से दुर्घटनाओं को रोकेगा। कवच 4.0 प्रणाली स्टेशन कवच सहित कई महत्वपूर्ण तकनीकी घटकों पर बनाई गई है, जो इंजन और आरएफआईडी टैग को निर्देशित करने के लिए लोको कवच और सिग्नलिंग सिस्टम से सूचना प्राप्त करती है एवं ट्रेन के स्थान और दिशा की निगरानी के लिए नियमित अंतराल और सिग्नल बिंदु पर पटरियों के साथ स्थापित होती हैं। पिछले कुछ समय से भारतीय रेल, रेल दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। कवच 4.0 की शुरुआत कर, भारतीय रेल, यात्रियों की रेल यात्रा को और भी सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कदम रेलवे नेटवर्क को मजबूत करने और देश के रेल नेटवर्क में सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है।

न्यूज इन ब्रीफ

लक्ष्य सेन किंग कप इंटरनेशनल में तीसरे स्थान पर रहे

शेनझेन (चीन): भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां किंग कप इंटरनेशनल बैडमिंटन ओपन में उभरते हुए फ्रांस के खिलाड़ी एलेक्स लैनियर को सीधे गेम में हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अल्मोडा के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने लैनियर को 21-17, 21-11 से हराकर इस टूर्नामेंट के पहले सत्र में पुरस्कार के तौर पर लगभग 36 लाख रुपये हासिल किये। लक्ष्य इससे पहले सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन चीन के हू झेआन से शनिवार को करीबी मुकाबले में 19-21, 19-21 से हार गए थे। तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में लक्ष्य ने मजबूत शुरुआत करते हुए 6-1 की बढ़त ले ली, लेकिन लैनियर ने वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर लिया। लक्ष्य ने शानदार खेल से एक बार फिर बढ़त बनाते हुए स्कोर 18-15 कर लिया। उन्होंने इसके बाद तीन गेम पॉइंट हासिल किए। लैनियर ने शटल को कोर्ट से बाहर खेला जिससे पहला गेम लक्ष्य के नाम हो गया। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में लय बरकरार रखते हुए 8-6 की बढ़त कायम को 15-8 में बदला। उन्होंने इसके बाद नौ मैच प्वाइंट हासिल करने के बाद आसान जीत दर्ज की।

सेना को 4-2 से हराकर बंगाल संतोष ट्रॉफी के फाइनल में

हैदराबाद: पश्चिम बंगाल ने रविवार को यहां गत चैंपियन सेना को 4-2 से हराकर 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया। बंगाल की टीम ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त के साथ मैच पर अपना दबदबा कायम कर लिया था। इस जीत ने बंगाल 47वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा। बंगाल ने रिकॉर्ड 32 बार इस खिताब को जीता है। मानोतोस माजी और नारो हरि श्रेष्ठ ने एक-एक गोल किया, जबकि प्लेयर ऑफ द मैच रोबी हांसदा ने दो गोल दागे। हांसदा 11 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर है। पहले हाफ में ज्यादातर समय बैकफुट पर रहने वाली सेना की टीम विकास थापा और पश्चिम बंगाल के आत्मघाती गोल से वापसी करने में सफल रही। इन दोनों गोल से हालांकि हार का अंतर ही कम हुआ।

बुमराह की तूफानी गेंदबाजी के बाद ऑस्ट्रेलिया का निचला क्रम चमका, भारत पर 333 रन की बढ़त बनाई

मेलबर्न: भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट खेला जा रहा है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का यह चौथा टेस्ट है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। शुक्रवार को दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 369 रन पर समाप्त हुई। चौथे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। चौथे दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में नौ विकेट गंवाकर 228 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर उनके पास 105 रन की बढ़त थी। ऐसे में टीम की कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है। स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन की शानदार बल्लेबाजी ने भारत को विकेट के लिए तरसा दिया है। दोनों ने 10वें विकेट के लिए अब तक 110 गेंद में 55 रन की साझेदारी कर ली है। लियोन 41 रन और बोलैंड 10 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया को नौवां झटका 173 के स्कोर पर लगा था। कंगारुओं ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी रविवार को ही 369 रन पर समाप्त हुई थी। लियोन और बोलैंड की साझेदारी ने भारत को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। 110 गेंद यानी दोनों मिलकर करीब 18 ओवर बल्लेबाजी कर चुके हैं। दिन के आखिरी ओवर में टीम इंडिया के पास मौका भी आया, लेकिन बुमराह की वह गेंद नो बॉल रही। बुमराह की नो बॉल पर लियोन के बल्ले का किनारा लगा और गेंद स्लिप में गई। राहुल ने कैच भी पकड़ा, लेकिन नो बॉल की वजह से लियोन को जीवनदान मिल गया। अब सोमवार को 98 ओवर का खेल होगा। यह देखने वाली बात होगी कि टीम इंडिया शुरुआती सत्र में ऑस्ट्रेलियाई पारी समेट पाती है या नहीं। अब उसे मेलबर्न में इतिहास भी रचना होगा, क्योंकि इससे पहले मेलबर्न में टेस्ट में सबसे सफल चेज 332 रन का था, जो इंग्लैंड ने 1928 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में बल्लेबाजी खराब रही। मार्नस लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए। वहीं, कप्तान पैट कमिंस ने 41 रन की पारी खेली। इसके अलावा लियोन ने रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पांच बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इनमें सैम कोंस्टास (8), ट्रेविस हेड (1), मिचेल मार्श (0), एलेक्स कैरी (2) और मिचेल स्टार्क (5) शामिल हैं। उस्मान ख्वाजा 21 रन और स्टीव स्मिथ 13 रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से बुमराह ने अब तक चार विकेट और सिराज ने तीन विकेट लिए हैं। रवींद्र जडेजा को एक विकेट मिला।

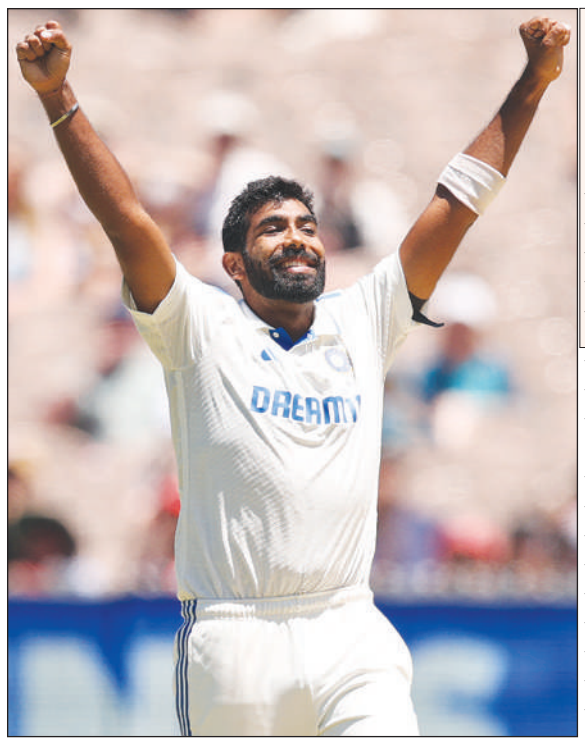

बुमराह ने 200 टेस्ट विकेट पूरे किए, सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले संयुक्त रूप से दूसरे भारतीय

मेलबर्न: भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन के खेल के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन गए। वह दुनिया के पहले गेंदबाज हैं जिन्होंने 20 से कम के औसत से यह उपलब्धि हासिल की है।

कोनेरू हंपी ने विश्व रेपिड शतरंज खिताब जीता

हंपी की दृढ़ता और प्रतिभा लाखों लोगों को प्रेरित करने वाली: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी की अपने करियर में दो बार फिडे महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने की उपलब्धि की सराहना की।

न्यूयॉर्क: भारत की कोनेरू हंपी ने रविवार को यहां इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर ऐतिहासिक दूसरी बार विश्व रेपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीता। हंपी ने 2019 में जॉर्जिया में यह प्रतियोगिता जीती थी और भारत की नंबर एक महिला खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से अधिक बार यह खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। सैंतीस वर्षीय हंपी ने संभावित 11 में से 8.5 अंक के साथ टूर्नामेंट का अंत किया। हंपी ने जीत दर्ज करने के बाद कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं और मुझे बहुत खुशी है। मुझे उम्मीद थी कि यह बहुत कठिन दिन होगा, किसी तरह के टाई-ब्रेक की तरह। लेकिन जब मैंने बाजी खत्म की, मुझे तब पता चला जब मध्यस्थ ने मुझे बताया और यह मेरे लिए एक तनावपूर्ण क्षण था।' काले मोहरों के साथ खेलने वाली इस भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'यह काफी अप्रत्याशित है क्योंकि पूरे साल मैं संघर्ष करती रही हूं और कई टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी खराब था जहां मैं अंतिम स्थान पर रही। इसलिए यह मेरे लिए आश्चर्य की तरह है।' हंपी की उपलब्धि के साथ भारतीय शतरंज के लिए एक शानदार वर्ष का अंत हुआ। इससे पहले डी गुकेश हाल ही में सिंगापुर में क्लासिकल प्रारूप विश्व चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर चैंपियन बने थे। सितंबर में भारत ने बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में पहली बार ओपन और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। अनुभवी हंपी ने स्वीकार किया कि पहले दौर की हार के बाद वह खिताब के बारे में नहीं सोच रही थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि पहले दौर की हार के बाद मैं खिताब के बारे में नहीं सोच रही थी लेकिन चीजें अच्छी हो गईं, खासकर कल लगातार चार बाजी जीतने से मुझे मदद मिली।' हालांकि हंपी को भारत और अमेरिका के बीच समय के बड़े अंतर के कारण खेल के बाहर भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'हां, बोर्ड के बाहर, समय के अंतर के कारण यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था। नींद की कमी थी। मैं यहां आने के बाद से ठीक से सो नहीं पाई हूं। इसलिए खेलना आसान नहीं था लेकिन मुझे खुशी है कि मैं ऐसा करने में सफल रही।''

पाकिस्तान पर रोमांचक जीत से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा दक्षिण अफ्रीका

सेंचुरियन (दक्षिण अफ्रीका): दक्षिण अफ्रीका के पुछल्ले बल्लेबाजों कैगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने मोहम्मद अब्बास की घातक गेंदबाजी के बावजूद नौवें विकेट के लिए 51 रन की अटूट साझेदारी करके रविवार को यहां अपनी टीम को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में दो विकेट से रोमांचक जीत दिलाकर उसकी अगले साल जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी जगह पक्की की। दक्षिण अफ्रीका के सामने 148 रन का लक्ष्य था लेकिन मैच के चौथे दिन एक समय उसकी टीम आठ विकेट पर 99 रन के स्कोर पर हार के कगार पर खड़ी थी। रबाडा (नाबाद 31) और यानसन (नाबाद 16) ने यहीं से जिम्मेदारी संभाली और अपनी टीम का स्कोर आठ विकेट पर 150 रन पर पहुंचाकर उसे अप्रत्याशित जीत दिलाई। यानसन ने अब्बास पर चौका लगाकर दक्षिण अफ्रीका को लक्ष्य तक पहुंचाया।

अर्शदीप और मंधाना आईसीसी पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई: भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इस सत्र में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने और भारत की टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए 'आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार' के लिए नामांकित किया गया है। अर्शदीप (25 वर्ष) इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। वहीं भारत की स्टाइलिश महिला सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना भी आईसीसी पुरस्कार की दौड़ में शामिल रहेंगी जिन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए नामांकित किया गया है। लॉरा वोल्वार्ड्ट (दक्षिण अफ्रीका), चामरी अटापट्टू (श्रीलंका) और अनाबेल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया) अन्य अनुभवी क्रिकेटर हैं जो इस पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने बारबाडोस में भारत की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 18 मैचों में 13.5 के औसत से 36 विकेट लेकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में वर्ष का समापन किया। भुवनेश्वर कुमार के 2022 में 37 विकेट के बाद एक कैलेंडर वर्ष में टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भारतीय तेज गेंदबाज का यह दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन है। अर्शदीप ने टी20 विश्व कप में 17 विकेट लिए और टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ बराबरी पर रहे। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन फाइनल में रहा जिसमें उन्होंने एडेन मार्क्रम और क्विंटन डी कॉक जैसे मुख्य खिलाड़ियों को जल्दी आउट कर दक्षिण अफ्रीका के लिए मुश्किल पैदा की। 19वें ओवर में उन्होंने सिर्फ चार रन दिए जिससे भारत की जीत तय हो गई। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज मंधाना ने 12 पारियों में 61.91 की शानदार औसत और 96.99 की स्ट्राइक रेट से 743 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। 28 वर्षीय मंधाना ने जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेंगलुरु में दो शतक लगाकर 2024 में अपने शानदार अभियान की शुरुआत की। इसके बाद साल के अंत में दो और शतक लगाकर दिसंबर तक अच्छी फॉर्म में रहीं। मंधाना ने जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन पारियों में कुल 343 रन बनाए और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहीं। उन्होंने अपना तीसरा शतक आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के पूरा होने के ठीक बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की घरेलू श्रृंखला के अंतिम मैच में 100 रन बनाकर लगाया। दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के अंतिम मैच में उन्होंने एक और शतक लगाया। हालांकि यह शतक टीम के काम नहीं आया और ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 3-0 से श्रृंखला अपने नाम कर ली। मंधाना का सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला प्रदर्शन भारत की घरेलू श्रृंखला के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया, जब उन्होंने शतक बनाया और एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम को चार विकेट से जीत दिलाने में मदद की। आईसीसी पुरस्कार 2024 के विजेताओं की घोषणा जनवरी 2025 के अंत में की जाएगी।

नवी मुंबई हवाई अड्डे ने वाणिज्यिक उड़ान परीक्षण किया, अगले वित्त वर्ष में होगा चालू

मुंबई: नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का संचालन अगले वित्त वर्ष से शुरू होने वाला है और 17 अप्रैल को इसका उद्घाटन होने की उम्मीद है। अदाणी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे पहले दिन में इंडिगो ए320 यात्री विमान को निर्माणाधीन नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रनवे पर सफलतापूर्वक उतरा गया। इससे हवाई अड्डे के वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए एयरोड्रम लाइसेंस हासिल करने का रास्ता साफ हो गया। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के सीईओ अरुण बंसल ने पहले नागरिक यात्री विमान के सफल परीक्षण के बाद मीडिया से कहा, ''हमारी महत्वाकांक्षा 17 अप्रैल तक हवाई अड्डे का वाणिज्यिक उद्घाटन करने की है।'' बंसल ने कहा कि घरेलू परिचालन मई के दूसरे पखवाड़े से शुरू होगा, क्योंकि उद्घाटन उड़ान के बाद कुछ प्रक्रियाओं का पालन करना होगा, जिसमें लगभग चार सप्ताह का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि जुलाई के अंत तक, ''हमें अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करने की उम्मीद है।'' एक बयान के मुताबिक नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआई) ने अपने पहले वाणिज्यिक उड़ान सत्यापन परीक्षण के साथ परिचालन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। रविवार को दोपहर डेढ़ बजे रनवे 26/08 पर सफल लैंडिंग हुई।

सभी को 2025 में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए उत्पादन, पारेषण ढांचे को बढ़ाएगा भारत

नयी दिल्ली: भारत 2025 में सभी को चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अधिक कोयला आधारित और पनबिजली संयंत्र स्थापित करेगा तथा पारेषण ढांचे को मजबूत करेगा। बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि और पारेषण बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए एक बड़ी योजना तैयार की है। बिजली राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालय के सभी प्रयासों से भारत निश्चित रूप से सभी के लिए चौबीसों घंटे सातों दिन बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य हासिल कर सकता है। नाइक ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम यह कर सकते हैं। साल 2025 तक हम देश में सभी के लिए 24द7 बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार बढ़ती मांग को देखते हुए बिजली क्षेत्र की विस्तार योजना का समर्थन करने के लिए तैयार है। सरकारी अनुमानों के अनुसार, 2025 में गर्मियों के मौसम में बिजली की अधिकतम मांग 270 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है, जो मई, 2024 में 250 गीगावाट और सितंबर, 2023 के 243 गीगावाट के रिकॉर्ड उच्च स्तर से अधिक है। साल 2035 तक बिजली की अधिकतम मांग 446 गीगावाट के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। बिजली मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर 2031-32 तक लगभग 80 गीगावाट की योजना बनाई है। इसके अलावा, लगभग 14 गीगावाट की पनबिजली परियोजनाएं और 6,050 मेगावाट की पंप भंडारण परियोजनाएं (पीएसपी) निर्माणाधीन हैं। लगभग 24.22 गीगावाट की पनबिजली परियोजनाएं और 50.76 गीगावाट की पीएसपी योजना के विभिन्न चरणों में हैं और इन्हें 2031-32 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लगभग 7,300 मेगावाट परमाणु क्षमता निर्माणाधीन है और 7,000 मेगावाट योजना और अनुमोदन के विभिन्न चरणों में है।

न्यूज अपडेट

भारत में बनी सिंगल माल्ट व्हिस्की के अलग मानक के लिए एफएसएसएआई से गुहार लगाने की तैयारी

नयी दिल्ली: घरेलू शराब निर्माता भारत में बनी सिंगल माल्ट व्हिस्की के अलग मानक के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से संपर्क करने पर विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि भारत में बनी सिंगल माल्ट व्हिस्की की मांग तेजी से बढ़ रही है और इसे कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। घरेलू शराब निर्माताओं के निकाय भारतीय अल्कोहलिक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) ने कहा कि भारतीय उत्पादक इस कदम पर चर्चा कर रहे हैं। इससे भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की की शुद्धता और साख को बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसे अब 60 देशों में निर्यात किया जाता है। भारतीय डिस्टिलर अपनी सिंगल माल्ट व्हिस्की के लिए भौगोलिक संकेतक का दर्जा पाने के लिए भी कदम उठा रहे हैं, जिससे ब्रांड की विश्वसनीयता और मानक बढ़ेंगे। भारत में बनी सिंगल माल्ट व्हिस्की की बिक्री घरेलू बाजार में दो अंक में बढ़ रही है। हालांकि, उद्योग को छोटे सिंगल माल्ट व्हिस्की ब्रांड के उभरने के चलते चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। सीआईएबीसी के महानिदेशक अनंत एस अय्यर ने कहा कि एफएसएसएआई की परिभाषा यह है कि यह माल्ट आधारित होना चाहिए, लेकिन यह सिंगल माल्ट को परिभाषित नहीं करता है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया कि सिंगल माल्ट व्हिस्की का मतलब है कि यह एक ही डिस्टिलरी से आनी चाहिए, न कि कई डिस्टिलरी से। अय्यर ने कहा कि जो उचित मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं, उन्हें खुद को भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की होने का दावा करने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एफएसएसएआई को भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की पर एक अलग मानक शामिल करने के लिए अपने नियमों में संशोधन करना चाहिए।

पीएम इंटर्नशिप योजना: 1.27 लाख अवसरों के लिए 6.21 लाख आवेदन मिले

नयी दिल्ली: पीएम इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत 1.27 लाख अवसरों के लिए लगभग 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा चयन प्रक्रिया जारी है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में घोषित इस योजना का लक्ष्य पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। तीन अक्टूबर को शुरू की गई इस योजना की पायलट परियोजना का लक्ष्य 2024-25 के दौरान 1.25 लाख इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि 1.27 लाख इंटर्नशिप अवसरों के लिए लगभग 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। 'इंटर्नशिप के लिए चयन प्रक्रिया जारी है।' साझेदार कंपनियों ने इंटर्नशिप योजना पोर्टल पर लगभग 1.27 लाख अवसर पोस्ट किए हैं। बयान में कहा गया है कि लगभग 4.87 लाख व्यक्तियों ने अपना केवाईसी पूरा कर लिया है और पोर्टल पर खुद को पंजीकृत कर लिया है। इस योजना के तहत, इंटर्न को 12 महीने के लिए 5,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता और 6,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान दिया जाएगा। इस वर्ष की गई विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए मंत्रालय ने कहा कि हितधारकों की टिप्पणियों और मंत्रालय द्वारा नियुक्त समिति की सिफारिशों पर विचार करने के बाद लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा को नियंत्रित करने वाले ढांचे में संशोधन किया जाएगा। वित्त वर्ष 2023-24 से मंत्रालय ने कंपनियों को लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट दाखिल करने के लिए निर्धारित समयसीमा का पालन करने के लिए नियमित सलाह जारी की है। बयान में कहा गया, इस पहल से पिछले वर्ष की तुलना में 2023-24 के दौरान लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट समय पर जमा करने में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इस साल डॉलर के मुकाबले तीन प्रतिशत गिरा रुपया, येन की तुलना हुआ 8.7 प्रतिशत मजबूत

मुंबई : इस साल यानी 2024 में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मुकाबले रुपया तीन प्रतिशत कमजोर हुआ है। अर्थव्यवस्था की रफ्तार में सुस्ती तथा वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से रुपया प्रभावित हुआ है। हालांकि, दुनिया की अन्य मुद्राओं से तुलना करें, तो भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव कहीं कम रहा है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि आगामी वर्ष में रुपये की स्थिति कुछ बेहतर रहेगी। वर्ष 2024 के अंत में रुपया अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। डॉलर में सुधार का असर उभरते बाजारों की मुद्राओं पर पड़ा है। घटनाक्रमों से भरपूर 2024 में प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले रुपये की विनिमय दर पर प्रभाव जारी रहा। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में संकट के साथ लाल सागर के जरिये व्यापार में अड़चनों के अलावा दुनिया के कई देशों में चुनावों ने रुपये की धारणा को प्रभावित किया। दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा उठाए गए कदमों और अन्य वैश्विक कारकों ने न केवल रुपये-डॉलर के स्तर को प्रभावित किया है, बल्कि इसने सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्राओं की विनिमय दरों पर भी असर डाला। वास्तव में, डॉलर के मुकाबले अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपये में गिरावट कम रही है। यूरो और जापानी येन की तुलना में रुपया लाभ में रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तत्कालीन गवर्नर शक्तिकान्त दास ने दिसंबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में कहा था कि उभरते बाजारों की मुद्राओं की तुलना में भारतीय रुपये में कम अस्थिरता रही है। हालांकि, इसके बावजूद केंद्रीय बैंक रुपये-डॉलर की दर को स्थिर करने के लिए अधिक सक्रिय प्रयास कर रहा है। कच्चे तेल के आयात पर भारत की निर्भरता तथा बढ़ते व्यापार घाटे की वजह से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी है। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के निदेशक - जिंस एवं मुद्रा नवीन माथुर ने कहा, ''आरबीआई ने रुपये में तेज गिरावट को रोकने के लिए सक्रिय रूप से हस्तक्षेप किया है। इसका पता विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों से भी चलता है। विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर के आखिर के 704.89 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्चस्तर से घटकर 20 दिसंबर, 2024 तक 644.39 अरब डॉलर रह गया है, जो इसका लगभग छह माह का निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की बढ़त या गिरावट का प्रभाव भी शामिल रहता है।

कृषि क्षेत्र में चार प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद, 2025 में खाद्यान्न उत्पादन नए शिखर पर पहुंचेगा

नयी दिल्ली: अनुकूल मानसून के कारण भारत 2025 में खाद्यान्न उत्पादन में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है। हालांकि, दलहन और तिलहन उत्पादन में महत्वपूर्ण चुनौतियां बनी हुई हैं, क्योंकि देश के कृषि क्षेत्र में मजबूत सुधार के संकेत दिख रहे हैं। कृषि मंत्रालय के शुरुआती अनुमान अनुकूल तस्वीर पेश करते हैं, जिसमें जून, 2025 को समाप्त होने वाले फसल वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ (ग्रीष्म) खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 16.47 करोड़ टन होने का अनुमान है। सर्दियों की फसल की बुवाई में लगातार प्रगति हुई है। दिसंबर, 2024 के मध्य तक 2.93 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई हुई है, जबकि कुल रबी (सर्दियों) की फसलें 5.58 करोड़ हेक्टेयर में फैली हैं। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने पीटीआई-भाषा से कहा, सामान्य बारिश के कारण हमारी खरीफ की फसल अच्छी रही। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, पूरे वर्ष के लिए फसल की संभावना आशाजनक दिख रही है।'' हालांकि, उन्होंने फरवरी-मार्च में संभावित गर्मी की लहर के प्रति आगाह किया जो सर्दियों की गेहूं की फसल को प्रभावित कर सकती हैं। कृषि क्षेत्र में मजबूती से वापसी होने का अनुमान है, 2024-25 में इसकी वृद्धि दर 3.5-4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष में 1.4 प्रतिशत थी। कृषि अर्थशास्त्री एस महेंद्र देव इस सुधार का श्रेय 'अच्छे मानसून और ग्रामीण मांग में वृद्धि' को देते हैं। यह वृद्धि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में बाढ़ और सूखे से फसलों के प्रभावित होने के बावजूद हुई है। जलवायु परिवर्तन से प्रेरित मौसम संबंधी विसंगतियों ने विशेष रूप से कुछ क्षेत्रों में प्याज और टमाटर की पैदावार को प्रभावित किया है। हालांकि, आगे का रास्ता आसान नहीं है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4104 अंक 254, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in